JANMARG news
Janmarg News Youtube Channel
जनमार्ग

केन्द्र व राज्य सरकार से विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

RNI Registration No. 3773 / 58
e-mail :dainikjanmarg@gmail.com
Website:- www.janmarg.com

जनमार्ग

निष्पक्ष ◆ निर्भिक ◆ सांध्य दैनिक

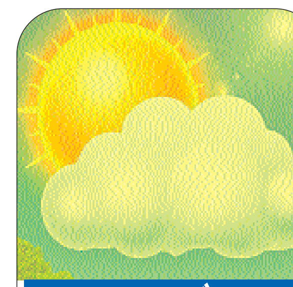

आज का मौसम

अधिकतम	: 21
न्यूनतम	: 09
हवा में नमी	: 118

वर्ष : 66 ● अंक: 58 ● श्रीगंगानगर, गुरुवार, 16.01.2025, मो. 94140-87692, 77421-86692, 0154-2970692 ● मूल्य: 2 रुपये ● पृष्ठ : 8

राजस्थान में आधी रात से ट्रांसफर पर लगा बैन

● भाजपा विधायकों-नेताओं की सिफारिश चली ● बजट सत्र के बाद हट सकती है पाबंदी

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। सरकारी विभागों में तबादलों पर बुधवार आधी रात से बैन लग गया है। आज से अब तबादले नहीं हो सकेंगे। सरकारी विभागों में देर रात तक तबादले होते रहे। अनुमानित 20 हजार से ज्यादा ट्रांसफर हुए हैं। कई विभागों में बैक डेट में भी तबादले हो रहे हैं। सरकार ने 30 दिसंबर को पहले 10 दिन यानी 10 जनवरी तक के लिए तबादलों से प्रतिबंध हटाया था। इसके बाद तबादलों से बैन हटाने की अवधि को 15 जनवरी तक के लिए बढ़ाया था। शिक्षा विभाग में तबादलों से बैन नहीं

हटाया गया था। मेडिकल, बिजली, जलदाय, पंचायती राज और ग्रामीण विकास में सबसे ज्यादा कर्मचारी होने के कारण तबादले भी वहां ज्यादा हुए हैं। तबादलों में सत्ताधारी पार्टी के नेताओं और विधायकों की ही चली है। विभागों में तबादले विधायकों और भाजपा नेताओं की डिजायर के आधार पर ही किए गए हैं। तबादलों के कारण सचिवालय से लेकर मंत्रियों के घरों और दफ्तरों तक भारी भीड़ थी। पिछले एक पखवाड़े से तबादलों की सिफारिश लेकर बड़ी तादाद में सरकारी कर्मचारी और लोग नेताओं, मंत्रियों और विधायकों के यहां पहुंच रहे थे। इस वजह से ज्यादातर मंत्रियों ने सचिवालय के दफ्तर में बैठना भी बंद कर दिया था। अब तबादलों पर बैन लगने के बाद एक बार फिर से विभागों में रूटीन कामकाज पटरी पर आ सकेगा।

सरकार ने इस बार शिक्षा विभाग में तबादलों से बैन नहीं हटाया था। तबादला नीति तैयार नहीं होने और बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी का हवाला देते हुए शिक्षा विभाग में बैन बरकरार रखा गया था। ग्रेड थर्ड शिक्षकों के तबादलों पर लंबे समय से प्रतिबंध लगा हुआ है। वसुंधरा राजे सरकार के समय ग्रेड थर्ड शिक्षकों के आखिरी बार तबादले हुए थे। उसके बाद बैन जारी है। गहलोत राज में भी बैन जारी रहा था। सरकारी विभागों में मांग की तुलना में कम संख्या में तबादले हुए हैं।

एक किलो बताकर 900 ग्राम तौलने वालों की खैर नहीं

● गांव-शहरों में खुलेंगे सेंटर, दुकानों पर जाकर भी टेस्टिंग

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। वजन तौलने वाली मशीन के साथ छेड़छाड़ कर 1 किलो के रुपए लेकर 900 ग्राम सामान देने वाले दुकानदार अब ऐसा नहीं कर पाएंगे। ये वादा और दावा है राज्य उपभोक्ता मामलात विभाग का। दरअसल, राजस्थान सरकार जल्द ही प्रदेश के हर गांव-शहर में राज्य सरकार द्वारा एप्रूव्ड नाप-तौल परीक्षण केंद्र (जीएटीसी सेंटर) खोलने वाली है। इन नाप-तौल परीक्षण केंद्र से सरकार न सिर्फ हजारों स्किल्ड और योग्य युवाओं के लिए कमीशन बेस पर रोजगार के नए अवसर पैदा करने वाली है, बल्कि करोड़ों रुपयों का नया सरकारी राजस्व भी हासिल करेगी। राज्य उपभोक्ता मामलात विभाग ने डिपार्टमेंट लेवल पर तैयारी पूरी कर ली है। सभी नियम-कायदों और शर्तों का मसौदा प्रस्ताव बनाकर अप्रूवल के लिए लॉ डिपार्टमेंट को भेजा गया है। अप्रूवल आते ही इसे जल्द ही अमलीजामा भी पहना दिया जाएगा। सरकार प्रदेश में नाप-तौल परीक्षण केंद्र (जीएटीसी) खोलने की जिम्मेदारी टेंडर प्रक्रिया अपनाते हुए निजी क्षेत्र की किसी थर्ड पार्टनर कंपनी को देने की तैयारी में है। वही थर्ड पार्टनर कंपनी हर ब्लॉक लेवल तक राज्य सरकार द्वारा एप्रूव्ड कम से कम एक नाप-तौल परीक्षण केंद्र (जीएटीसी सेंटर) खोलेगी। शहरी निकाय क्षेत्रों में इनकी संख्या ज्यादा हो सकती है। थर्ड पार्टी कंपनी ही इन अप्रूव्ड नाप-तौल परीक्षण केंद्र पर काम आने वाली सभी मशीनरी और संसाधन उपलब्ध करवाएगी।

नप लेखाधिकारी राकेश अरोड़ा का हुआ राजगढ़ तबादला

● स्वायत शासन विभाग ने बदले 53 आरएमएस अधिकारी
● मोहम्मद अजहर खान को लगाया अग्निशमन अधिकारी

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। स्वायत शासन विभाग ने बुधवार को तबादला आदेश जारी नगरपरिषद श्रीगंगानगर के अग्मिनशन अधिकारी के पद पर मोहम्मद अजहर खान को लगाया है। इस तबादला सूची में 53 आरएमएस अधिकारियों को इधर से उधर किया गया है। इस सूची में नगरपरिषद के विवादित लेखाधिकारी राकेश अरोड़ा को अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका राजगढ़ के पद पर भेजा गया है। स्वायत शासन विभाग के आयुक्त एवं शासन सचिव कुमार पाल गौतम के आदेशानुसार जारी तबादला सूची में श्रवण कुमार को आयुक्त नगरपरिषद सांचौर से आयुक्त नगरपरिषद मकराना, मघराज डूडी को आयुक्त नगरपरिषद सुजानगढ़ से आयुक्त नगरपरिषद सरदारशहर, मुकेश कुमार को आयुक्त नगरपरिषद सरदारशहर से आयुक्त नगरपरिषद भिवाड़ी, रामकिशोर को आयुक्त नगपरिषद से आयुक्त नगरपरिषद चित्तौड़गढ़ सहित करीब 53 आरएमएस अधिकारियों का तबादला किया गया है तथा पांच अधिकारियां को अतिरिक्त चार्ज दिया गया है।

कड़ाके की सर्दी में भी डेंगू-चिकनगुनिया का डंक

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। राजस्थान में कड़ाके की सर्दी के बावजूद डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया एक्टिव है। जनवरी माह के शुरुआती 13 दिन में प्रदेश में डेंगू के 24 केस मिले हैं। वहीं, चिकनगुनिया के 21 और मलेरिया के 11 केस मिले हैं। अच्छी बात यह है कि इन तीनों में किसी मरीज की मौत का केस नहीं आया है। डॉक्टर्स के मुताबिक इन केसों में सीवियरिटी बहुत ही कम है। हेल्थ डिपार्टमेंट राजस्थान की एक रिपोर्ट के मुताबिक राजस्थान के 49 में से 6 जिलों में मलेरिया, 11 जिलों में डेंगू और 12 जिलों में चिकनगुनिया के केस आए हैं। डेंगू के सबसे ज्यादा 5 मरीज चित्तौड़गढ़ जिले में मिले हैं। वहीं, जयपुर जिले में 4 केस मिले हैं। मच्छर के बढ़ने से मलेरिया और चिकनगुनिया के भी केस बड़े हैं। 1 से 13 जनवरी तक चिकनगुनिया के उदयपुर और जयपुर में 4-4 केस मिले हैं।

अंतरिक्ष में डॉकिंग करने वाला चौथा देश बना भारत

जनमार्ग न्यूज

बेंगलुरु। भारत अंतरिक्ष में दो स्पेसक्राफ्ट को सक्सेसफुली डॉक करने वाला चौथा देश बन गया है। इससे पहले रूस, अमेरिका और चीन ही ऐसा करने में सफल रहे हैं। इसरो ने बताया कि 16 जनवरी को सुबह डॉकिंग एक्सपेरिमेंट को पूरा किया गया। इस मिशन की कामयाबी पर चंद्रयान-4, गगनयान और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन जैसे मिशन्स निर्भर थे। चंद्रयान-4 मिशन में चंद्रमा की मिट्टी के सैंपल पृथ्वी पर लाए जाएंगे। वहीं गगनयान मिशन में मानव को अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। इसरो ने 30 दिसंबर 2024 को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से रात 10 बजे स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट मिशन लॉन्च किया था। इसके तहत पीएसएलवी-सी60 रॉकेट से दो स्पेसक्राफ्ट पृथ्वी से 470 किमी ऊपर डिप्लॉय किए गए। 7 जनवरी को इस मिशन में दोनों स्पेसक्राफ्ट्स को कनेक्ट किया जाना था।

अचानक आसमान में घिर आया कोहरा

● न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री सेल्सियस

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। जिले में गुरुवार को अल सुबह साफ मौसम के बाद अचानक कोहरा छा गया। इससे विजिबिलिटी बेहद कम हो गई। कुछ मीटर दूर तक देख पाने में परेशानी आने लगी। इससे सुबह के समय सड़कों पर निकले लोग परेशान हुए।अचानक आया कोहरा सभी के लिए परेशानी बना। सुबह के समय घरों से निकले वाहन चालक बेहद धीमी स्पीड से चलते दिखे। शीत लहर

के कारण कंपकंपी के हालात थे। शहर के बाहर की सड़कों सूरतगढ़ रोड, पदमपुर रोड,श्रीकरणपुर रोड, पंजाब रोड और इसके आसपास के इलाकों में खेतों में सुबह के समय पहुंचे किसानों ने खेतों के बाहर की तरफ अलाव जलाकर सर्दी से निजात पाई । शहरी इलाके में भी तेज कोहरे और सर्दी का असर साफ नजर आ रहा था, यहां चाय की थड़ियों के पास जलते अलाव पर हाथ तापने के साथ लोग चाय का आनंद लेते नजर आए। कोहरे के असर से सुबह के समय मुख्य बाजार में नौ बजे तक दुकानें नहीं खुली।

लापता नाबालिगा का नहीं लगा सुराग

रामसिंहपुर (जनमार्ग न्यूज)। रामसिंहपुर थाना क्षेत्र के गांव 57 जीबी से एक 14 वर्षीय नाबालिग युवती लापता हो गई। इस संबंध में परिजनों ने रामसिंहपुर पुलिस थाना में गांव की संदिग्ध महिला के खिलाफ उसकी बच्ची को बहला-फुसलाकर गायब करने का आरोप लगाया है। रामसिंहपुर पुलिस थानाधिकारी सुमन पड़िहार ने बताया कि गांव 57 जीबी निवासी पीड़ित व्यक्ति ने मुकदमा दर्ज करवाया कि है उसकी 14 वर्षीय नाबालिग बेटी पिछले काफी दिनों से लापता है। इस संबंध में पीड़ित के पड़ोस में रहने वाली एक महिला पर परिजनों से संदेह जारी किया है। रामसिंहपुर थानाधिकारी सुमन पड़िहार ने बताया कि मामले में संदिग्धों से पूछताछ कर लापता युवती का शीघ्र पता लगाया जाएगा।

सैफ अली पर हमला, चाकू के 6 जख्म

जनमार्ग न्यूज

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान पर बुधवार देर रात करीब 2-30 बजे मुंबई में खार स्थित उनके घर पर चाकू से हमला किया गया। सैफ के गले, पीठ, हाथ, सिर पर चाकू लगा है। सैफ को रात 3 बजे लीलावती हॉस्पिटल लाया गया। जहां उनकी सर्जरी की गई। सैफ सतगुरु शरण अपार्टमेंट में रहते हैं। लीलावती अस्पताल के सीओओ (चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर) डॉ. नीरज उत्तमानी ने बताया कि सैफ को छह बार चाकू घोंपा गया। उनमें से दो घाव गहरे हैं। एक घाव रीढ़ की हड्डी के पास लगा है। डॉ. नितिन डांगे (सर्जन), डॉ. लीना जैन (कंसल्टेंट प्लास्टिक सर्जन), डॉ. निशा गांधी (एनेस्थीसिया स्पेशलिस्ट), डॉ. कविता श्रीनिवास (इंटेसिविस्ट) और डॉ. मनोज देशमुख (कंसल्टेंट रेडियोलॉजिस्ट) उनका इलाज कर रहे हैं। हमलावर चोरी की नीयत से घुसा- सैफ की टीम के ऑफिशियल बयान में बताया गया कि सैफ अली खान के घर पर चोरी की कोशिश की गई।

दो दिन हो सकता है रीट का एग्जाम

● 13 लाख से ज्यादा कैंडिडेट्स ने किया आवेदन ● 41 जिला मुख्यालय पर होगी परीक्षा

जनमार्ग न्यूज

अजमेर। राजस्थान की सबसे बड़ी परीक्षा रीट-2024 का आयोजन 27 फरवरी को प्रस्तावित है। 13 लाख से ज्यादा स्टूडेंट्स ने एग्जाम के लिए आवेदन किया है। ऐसे में इस बार भी दो दिन परीक्षा हो सकती है। पिछली बार रीट 33 जिला मुख्यालय पर हुई थी। इस बार रीट 41 जिला मुख्यालय पर होगी। बड़े शहरों में भी सेंटर बनाए जा सकते हैं। बोर्ड के सचिव व परीक्षा के समन्वयक कैलाश चन्द शर्मा ने बताया- बोर्ड को बुधवार शाम तक 13 लाख से ज्यादा आवेदन मिल चुके हैं। इनमें लेवल एक के 3 लाख 24 हजार 165, लेवल दो के 8 लाख 91 हजार 656 और दोनों लेवल में 1 लाख 6465 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। इस बार 33 जिलों के बजाय 41 जिलों में परीक्षा होगी। परीक्षा के लिए कितने शहरों में कितने सेंटर मिलते हैं और वहां पर कितने कैंडिडेट्स की व्यवस्था हो सकती है। इसका आंकलन किया जा रहा है। सभी तरह की संभावनाओं को देखते हुए बोर्ड की ओर से तैयारी की

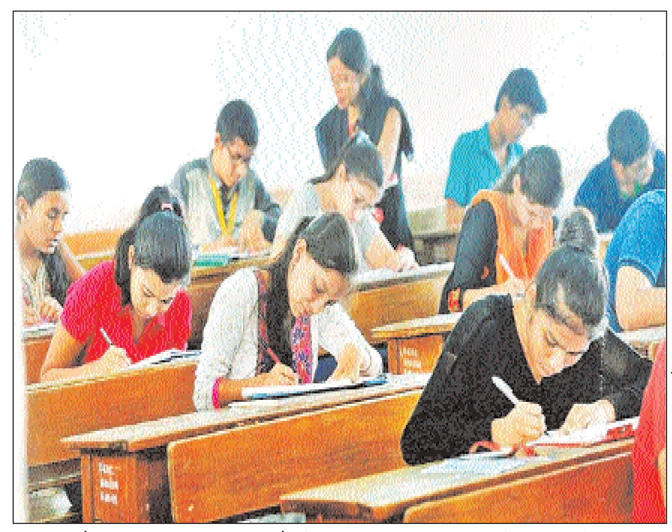

जा रही है। अगर जरूरत पड़ती है तो परीक्षा दो दिन करने पर भी विचार किया जा सकता है लेकिन फिलहाल यह तय नहीं है। इसका निर्णय उच्च स्तर पर होगा। रीट- 2024 के तहत जिन अभ्यर्थियों ने आवेदन की अंतिम तारीख 15 जनवरी तक चालान जनरेट कर परीक्षा शुल्क जमा करा दिया लेकिन आवेदन पत्र नहीं भरा या आवेदन पत्र सबमिट कर प्रिंट नहीं लिया है। ऐसे अभ्यर्थियों को माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से 17 जनवरी से 19 जनवरी रात 12 बजे तक आवेदन पत्र भरने या सबमिट कर प्रिन्ट लेने का अंतिम अवसर प्रदान किया गया है। ऐसे अभ्यर्थी जिन्होंने राज्य सरकार सरकार की ओर से निरस्त किए गए 9 जिलों में परीक्षा केन्द्र प्राथमिकता से भर दिए हैं, वे अपने परीक्षा केन्द्र की प्राथमिकता में निशुल्क संशोधन 17 जनवरी से 19 जनवरी तक कर सकते है।

श्रीगंगानगर जिला पुलिस में बड़ा फेरबदल, 456 कार्मिकों का तबादला

● उप महानिरीक्षक पुलिस सह जिला पुलिस अधीक्षक ने देर रात जारी किए आदेश ● 17 सीआई सहित 24 एसआई व 60 एएसआई का तबादला ● 355 हवलदारों को भेजा दूसरे थानों में

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। राजस्थान में तबादलों पर रोक लगने से कुछ समय पूर्व जिला स्तर पर पुलिस महकमे में बड़ा फेरबदल किया गया है। उप महानिरीक्षक पुलिस सह जिला पुलिस अधीक्षक श्रीगंगानगर गौरव यादव ने देर रात आदेश जारी कर 17 पुलिस निरीक्षक, 24 उपनिरीक्षक तथा 60 सहायक उप निरीक्षकों की तबादला सूची जारी की। हैड कांस्टेबल व कांस्टेबल सहित पुलिस के करीब 355 कार्मिकों की तबादला सूची भी देर रात जारी हुई। पुलिस अधीक्षक कार्यालय श्रीगंगानगर से जारी तबादला सूची में पुलिस निरीक्षक रमेश कुमार को सदर थानाधिकारी से साइबर थाना, पुलिस निरीक्षक महावीर प्रसाद को पुलिस लाइन से नई मंडी घड़साना थानाधिकारी के पद पर लगाया गया है। इसी प्रकारण पुलिस निरीक्षकों की तबादला सूची में कृष्ण कुमार को सूरतगढ़ सदर से थानाधिकारी समेजा कोठी थाना, ईश्वर प्रसाद को थानाधिकाकारी रायसिंनगर से थानाधिकारी पुलिस थाना अनूपगढ़, श्रीमती कलावती चौधरी को थानाधिकारी पुलिस थाना नई मंडी घड़साना से कार्यालय अ.पु.अधी. त्वरित अनुसंधान निस्तारण सेल, बलवंत राम को थानाधिकारी पुलिस थाना रावला से थानाधिकारी पुलिस थाना केसरीसिंहपुर, अजय कुमार को पुलिस लाइन से संचित निरीक्षक, रिजर्व पुलिस लाइन, विजय कुमार को प्रभारी मानव तस्करी विरोधी यूनिट, श्रीमती राजेश को अपराध सहायक अपराध शाखा, रामप्रताप को थानाधिकारी पुलिस थाना श्रीकरणपुर, सत्यनारायण गोदारा को थानाधिकारी पुलिस थाना रायसिंहनगर, विजेन्द्र शीला को प्रभारी जिला विशेष शाखा, श्रीमती सुमन जयपाल को थानाधिकारी महिला पुलिस थाना, सतपाल बिश्नोई को साइबर थाना, सुभाष चन्द को थानाधिकारी पुलिस थाना सदर श्रीगंगानगर, रामकुमार को थानाधिकारी पुलिस थाना सूरतगढ़ सदर, गुरमेल सिंह को थानाधिकारी पुलिस थाना हिंदूमलकोट के पद पर लगाया गया है। तबादला सूची में पुलिस निरीक्षक कलावती चौधरी को अपने कार्य के साथ-साथ प्रभारी जिला विशेष टीम-2 का कार्य संपादित करने के आदेश जारी किए गए हैं।

उप महानिरीक्षक पुलिस सह जिला पुलिस अधीक्षक श्रीगंगानगर गौरव यादव के आदेशानुसार पुलिस उपनिरीक्षक की तबादला सूची में उपनिरीक्षक गिरधारी सिंह को पुलिस लाइन से रीडर अपराध शाखा, हरबंस सिंह को पुलिस लाइन से प्रभारी चौकी कोनी, थाना

हिंदूमलकोट, ओमप्रकाश मान को पुलिस थाना समेजा कोठी से प्रभारी चौकी थर्मल, थाना राजियासर, श्रीमती ज्योति नायक को पुलिस थाना महिला से पुलिस थाना पुरानी आबादी, श्रीमती सिरकौर को पुलिस लाइन से पुलिस थाना गजसिंहपुर, नरेश कुमार को पुलिस थाना जवाहरनगर से पुलिस थाना सादुलशहर, संपतराम धायल को पुलिस थाना सूरतगढ़ शहर से पुलिस थाना मुकलावा, चन्द्रभान को पुलिस लाइन से पुलिस थाना रायसिंहनगर, भोलाराम बेनीवाल को पुलिस थाना रायसिंहनगर से पुलिस थाना नई मंडी घड़साना, सुमन परिहार को पुलिस थाना रामसिंहपुर से पुलिस थाना कोतवाली, मलकीयत सिंह को पुलिस थाना चूनावढ़, जयवीर सिंह को पुलिस थाना जवाहरनगर, सुभाषचन्द्र को पुलिस थाना रामसिंहपुर, नवनीत सिंह को पुलिस थाना रावला, बलवंत कुमार को प्रभारी मीरा चौक थाना जवाहरनगर, जीतराम को पुलिस थाना सदर श्रीगंगानगर, नगेन्द्र सिंह को पुलिस थाना सूरतगढ़ शहर, रामेश्वर लाल को पुलिस थाना कोतवाली से प्रभारी सेतिया चौकी, राजकुमार को प्रभारी मीरा चौक थाना जवाहरनगर से पुलिस थाना जवाहरनगर, देवीलाल को पुलिस थाना मुकलावा से प्रभारी बांडा चौकी, पुलिस थाना अनूपगढ़, हंसराज को पुलिस थाना सादुलशहर से पुलिस थाना सदर श्रीगंगानगर, केदारलाल को उपनिरीक्षक पुलिस थाना पुरानी आबादी हाल पुलिस लाइन से पुलिस थाना रायसिंहनगर, मदनसिंह को जिला विशेष शाखा से यातायात शाखा श्रीगंगानगर तथा उपनिरीक्षक हीरालाल एमटी को मोटर परिवहन अधिकारी के पद पर नियुक्त किया गया है।

उप महानिरीक्षक पुलिस सह जिला पुलिस अधीक्षक श्रीगंगानगर गौरव यादव के आदेशानुसार सहायक पुलिस निरीक्षक की तबादला सूची में सहायक पुलिस निरीक्षक कमलजीत सिंह को चौकी बाण्डा थाना अनूपगढ़ से थाना सदर श्रीगंगानगर, भोम सिंह को थाना रायसिंहनगर से थाना श्रीकरणपुर, बाबु खां को मटीलीराठान से श्रीकरणपुर, भजनलाल को रायसिंहनगर से मटीलीराठान, बलवंत सिंह को समेजा कोठी को लालगढ़, चुन्नीलाल को रामसिंहनगर से रायसिंहनगर, दिलबाग राय को शहर नियंत्रण कक्ष से थाना जवाहरनगर, धर्मवीर सिंह को सदर श्रीगंगानगर से यातायात शाखा श्रीगंगानगर, दिनेश कुमार को थाना जवाहरनगर से श्रीगंगानगर सदर, गुरदीप सिंह को सूरतगढ़ शहर से जवाहरनगर, गुल्लाराम को चौकी लक्खाहाकम से गजसिंहनगर, हेतराम को चौकी रिको से पुरानी आबादी, हनुमान प्रसाद को पुलिस लाइन हाल मौखिक राजियासर से अनूपगढ़, जाकिर हुसैन को कोतवाली से चौकी रिको, जगमोहन को सादुलशहर से कोतवाली, कुलवंत सिंह को सादुलशहर से रायसिंहनगर, कृष्ण कुमार को कोतवाली से चूनावढ़, कमल सिंह को थाना पदमपुर हाल पुलिस लाइन से थाना साइबर, कर्ण सिंह को सादुलशहर... (शेष पृष्ठ 5 पर)

अपने आसपास की ताजा घटनाओं एवं दुर्घटनाओं की जानकारी व फोटो मो. 94140-87692, 77421-86692, 93526-86083, 76657-85893 पर देवें। E-mail: dainikjanmarg@gmail.com

सम्पादकीय

बढ़ा दी बेचैनी

पिछले वर्ष अप्रैल से लेकर दिसंबर तक के आंकड़ों से पता चलता है कि महंगाई दबे पांव बढ़ती चली गई है। खाने-पीने की चीजों के दामों में थोड़ी-बहुत नरमी बीच-बीच में जरूर दिखती रही, लेकिन ईंधन, विनिर्मित उत्पाद और गैर-खाद्य वस्तुओं के मूल्य जिस तरह बढ़े हैं, उसे थामा नहीं जा सका। थोक महंगाई दर ने एक बार फिर झटका दिया है। महंगाई पर काबू पाना पहले से कठिन बना हुआ है। थोक महंगाई के ताजा आंकड़े ने आर्थिक प्रबंधकों की बेचैनी बढ़ा दी है। इससे उत्पादकों पर दबाव बढ़ा है। यह कम चिंता की बात नहीं है कि तमाम प्रयासों के बावजूद डालर के मुकाबले रुपया लगातार गिर रहा है। वहीं उपभोक्ताओं की क्रयशक्ति पहले से कहीं अधिक कम हो गई है। लिहाजा, बाजारों में वैसी रौनक नहीं, जैसी अपेक्षा व्यवसायी करते रहे हैं। ऐसे में महंगाई दर का बढ़ना अर्थव्यवस्था की सेहत के लिए अच्छा नहीं कहा जा सकता। पिछले वर्ष अप्रैल से लेकर दिसंबर तक के आंकड़ों से पता चलता है कि महंगाई दबे पांव बढ़ती चली गई है। खाने-पीने की चीजों के दामों में थोड़ी-बहुत नरमी बीच-बीच में जरूर दिखती रही, लेकिन ईंधन, विनिर्मित उत्पाद और गैर-खाद्य वस्तुओं के मूल्य जिस तरह बढ़े हैं, उसे थामा नहीं जा सका। काफी समय से उत्पादन क्षेत्र की रफ्तार सुस्त बने रहने का असर है कि थोक महंगाई ब?ी है। थोक भाव अधिक समय तक ऊंचा बने रहने से उत्पादों की बढ़ी कीमतों का बोझ उपभोक्ताओं पर पड़ेगा। खुदरा महंगाई में मामूली गिरावट से भी राहत मिलने की उम्मीद कम है। हालांकि यह चार महीने के निचले स्तर पर है। बीते वर्ष नवंबर में यह 5.48 फीसद थी, जो दिसंबर में 5.22 फीसद पर आ गई। जबकि यही दर अगस्त में 3.65 फीसद थी। इस लिहाज से ताजा गिरावट को संतोषजनक नहीं कहा जा सकता। इन सभी आंकड़ों के आधार पर मौद्रिक नीति समिति नीतिगत दरें कम करने की स्थिति में आएगी, इसमें संदेह है। बावजूद इसके, मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए कहा जा सकता है कि समिति की अगली बैठक में काफी दबाव रहेगा।

क्या दिल्ली की सत्ता में खिलेगा कमल

पांच साल में तीन मुख्यमंत्रियों के प्रयोग के बावजूद भाजपा 1998 के विधानसभा चुनाव में अपनी हार नहीं टाल पायी और कांग्रेस बाजी मार ले गयी। ग्रामीण क्षेत्रों में जनता पार्टी या जनता दल के असर को अपवाद मान लें तो दिल्ली की राजनीति में हमेशा भाजपा (जो पहले जनसंघ रही) और कांग्रेस का ही दबदबा रहा, लेकिन 1998 में बहुमत मिलने पर कांग्रेस ने भी, पहले उत्तर प्रदेश में राजनीति करती रहीं शीला दीक्षित को मुख्यमंत्री बनाया। हां, भाजपा ने जहां पांच साल में तीन मुख्यमंत्री बदले, वहीं शीला दीक्षित ने लगातार तीन बार कांग्रेस सरकार बनाकर रिकॉर्ड बना दिया। हालांकि भाजपा नगर निगम से लेकर विधानसभा तक कांग्रेस को कड़ी चुनौती देती रही।

दिल्ली की सियासत भी अजब है। लोकसभा चुनाव में भाजपा को सभी सातों सीटें जिताने वाले मतदाता विधानसभा चुनाव में उसे दिल्ली की सत्ता के पास नहीं फटकने दे रहे। नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बने हैं। ज्यादातर राज्यों में भी भाजपा या उसके गठबंधन की सरकार है, लेकिन देश का दिल कही जाने वाली दिल्ली में कमल नहीं खिल पा रहा। दिल्ली की सत्ता से भाजपा के वनवास को 27 साल होने वाले हैं। निश्चय ही यह स्थिति दिल्ली भाजपा के नेताओं पर बड़ा सवालिया निशान लगाती है।

आजादी के बाद पहले चुनाव में कांग्रेस के चौधरी ब्रह्मप्रकाश दिल्ली के पहले मुख्यमंत्री बने थे, लेकिन फिर दिल्ली को केंद्र शासित क्षेत्र घोषित करते हुए विधानसभा समाप्त कर दी गयी। 1956 से 1993 तक दिल्ली में राष्ट्रपति शासन रहा। दिल्ली में फिर विधानसभा बहाल होने के बाद 1993 में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा को जनादेश मिला। तब दिल्ली में भाजपा नेताओं की चर्चित तिकड़ी होती थी- केदारनाथ साहनी, विजय कुमार मल्होत्रा और मदनलाल खुराना। उसी तिकड़ी के एक सदस्य मदनलाल खुराना मुख्यमंत्री बनाये गये, लेकिन हालात कुछ ऐसे बिगड़ते गये कि पांच साल में भाजपा को तीन मुख्यमंत्री बदलने पड़े। खुराना को हटा कर 1996 में दिल्ली देहात के बड़े नेता साहिब सिंह वर्मा को मुख्यमंत्री बनाया गया तो 1998 के विधानसभा चुनाव से बमुश्किल तीन महीने पहले हरियाणा मूल की सुषमा स्वराज को मुख्यमंत्री बना दिया गया।

पांच साल में तीन मुख्यमंत्रियों के प्रयोग के बावजूद भाजपा 1998 के विधानसभा चुनाव में अपनी हार नहीं टाल पायी और कांग्रेस बाजी मार ले गयी। ग्रामीण क्षेत्रों में जनता पार्टी या जनता दल के असर को अपवाद मान लें तो दिल्ली की राजनीति में हमेशा भाजपा (जो पहले जनसंघ रही) और कांग्रेस का ही दबदबा रहा। दोनों के पास दिल्ली में दिग्गज नेता भी रहे, लेकिन 1998 में बहुमत मिलने पर कांग्रेस ने भी, पहले उत्तर प्रदेश में राजनीति करती रहीं शीला दीक्षित को मुख्यमंत्री बनाया। हां, भाजपा ने जहां पांच साल में तीन मुख्यमंत्री बदले, वहीं शीला दीक्षित ने लगातार तीन बार कांग्रेस सरकार बनाकर रिकॉर्ड बना दिया। हालांकि भाजपा नगर निगम से लेकर विधानसभा तक कांग्रेस को कड़ी चुनौती देती रही। लेकिन भ्रष्टाचार के विरुद्ध जन लोकपाल मुद्दे पर अन्ना हजारे के आंदोलन के बाद बनी आम आदमी पार्टी (आप) के उदय से कांग्रेस के साथ-साथ भाजपा भी हाशिये पर फिसलती गयी। बेशक आप की भागीदारी वाले 2013 के पहले विधानसभा चुनाव में 31 सीटों के साथ भाजपा सबसे बड़े दल के रूप में उभरी, लेकिन 28 विधायकों वाली आप, आठ विधायकों वाली कांग्रेस के समर्थन से सरकार बनाने में सफल हो गयी। हालांकि अरविंद केजरीवाल की वह सरकार 49 दिन ही चल पायी। कांग्रेस पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए वैकल्पिक राजनीति की वकालत करने वाले अरविंद केजरीवाल और उनकी पार्टी को कांग्रेस से उस दोस्ती के लिए कठघरे में खड़ा कर भाजपा खुद को आगे ला सकती थी, लेकिन बुढ़ाते नेतृत्व की जगह नये नेतृत्व को उभारने में नाकामी और प्रधानमंत्री मोदी पर ही पूरी तरह निर्भरता उसे भारी पड़ी। 2013 के विधानसभा चुनाव में

सबसे बड़े दल के रूप में उभरने के बावजूद भाजपा ने 2015 के चुनाव में अपने नेताओं को नजरअंदाज कर रिटायर्ड महिला आईपीएस अधिकारी किरण बेदी को मुख्यमंत्री का चेहरा बनाया।

शायद भाजपा अन्ना हजारे के दो शिष्यों केजरीवाल और किरण बेदी के बीच चुनावी मुकाबले से अपनी सत्ता की बिसात बिछाना चाहती थी, लेकिन दिल्ली वालों की नजर में दोनों के बीच कोई मुकाबला ही नहीं था। मतदाताओं ने आप को 70 में 67 सीटें जिताकर अभूतपूर्व बहुमत दे दिया। भाजपा मात्र तीन सीटों पर सिमट गयी तो कांग्रेस का खाता तक नहीं खुला। किरण बेदी के प्रयोग से चुनावी हार से भी बड़ा नुकसान यह हुआ कि भाजपा के अपने नेता उपेक्षा से हताश हो गये और पार्टी के परंपरागत मिडल क्लास वोट बैंक में भी सेंध लग गयी। उसके बाद भी केंद्र में सत्तारूढ़ होने के नाते देश की राजधानी दिल्ली में खुद को अपने पैरों पर खड़ा कर पाना भाजपा के लिए ज्यादा मुश्किल नहीं होना चाहिए था, पर प्रभावी स्थानीय नेतृत्व की कसौटी पर वह लगातार नाकाम रही। अन्ना आंदोलन से बनी छवि का लाभ उठाने के लिए अराजनीतिक किरण बेदी पर 2015 में दांव लगाया तो 2020 के विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी की कमान कभी अमर सिंह के सानिध्य में समाजवादी पार्टी से राजनीति शुरू करने वाले भोजपुरी कलाकार मनोज तिवारी को सौंप दी।

शायद भाजपा को लगा कि जिस पूर्वांचली वोट बैंक की बदौलत तीन बार शीला दीक्षित कांग्रेस सरकार बना गयीं और फिर केजरीवाल दो बार मुख्यमंत्री बन गये, वह मनोज तिवारी की लोकप्रियता से खिंचा उसके पाले में चला आयेगा, पर निराशा ही हाथ लगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के जबर्दस्त चुनाव प्रचार के बावजूद भाजपा आठ सीटों से आगे नहीं बढ़ पायी। बेशक कांग्रेस लगातार दूसरी बार खाता खोलने में भी नाकाम रही। उसके बाद भी भाजपा जरूरी सबक सीख कर प्रभावी स्थानीय नेतृत्व उभारने में सफल नजर नहीं आती। पूर्व सांसद प्रवेश वर्मा जनाधार वाले नेता माने जा सकते हैं, लेकिन उनकी पहचान पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा सरीखे सज्जन राजनेता का बेटा होने के बावजूद 'भड़काऊ' बयानबाजी तक सिमट गयी है। डॉ हर्षवर्धन और विजय गोयल हाशिये पर भेज दिये गये हैं। आठ महीने पहले हुए लोकसभा चुनाव में सात में से छह सांसदों के टिकट काटने से भी यही संकेत गया कि वे दिल्ली में भाजपा की नेतृत्व-रणनीति की कसौटी पर खरा नहीं उतरे। प्रभावी स्थानीय नेतृत्व का अभाव भी एक बड़ा कारण है कि लोकसभा में एकतरफा समर्थन करने वाले दिल्लीवासी विधानसभा चुनाव में भाजपा को पूरी तरह नकारते रहे हैं।

अभी तक तो संदेश तो यही है कि राष्ट्रीय राजनीति में भाजपा के मुकाबले आप कहीं नहीं ठहरती तो दिल्ली की राजनीति में केजरीवाल के सामने भाजपा का कोई नेता नहीं टिकता। दिल्ली के विधानसभा चुनाव में भाजपा का इरादा किसी को मुख्यमंत्री का चेहरा बनाने का तो नहीं है, लेकिन प्रवेश वर्मा को नयी दिल्ली विधानसभा सीट से आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल के विरुद्ध उम्मीदवार बनाये जाने से लगता है कि उन्हें राज्य की राजनीति में लाया जा रहा है। देहात के नेता को पूर्ण शहरी क्षेत्र से चुनाव लड़ाने के पीछे की रणनीति तो भाजपा ही बेहतर समझती होगी, लेकिन देहात की कुछ सीटों पर उसे फायदा मिल सकता है। उसी की काट के रूप में केजरीवाल ने जाट आरक्षण का दांव चला है। यह देखना दिलचस्प होगा कि ऐन चुनाव के वक्त ये दांवपेच मतदाता का मन कितना बदल पाने में कामयाब होंगे। जाहिर है, बड़ा सवाल भाजपा के दिल्ली की सत्ता से वनवास की समाप्ति का है।

स्टार्टअप्स ने आत्मनिर्भर मिशन को लगाए पंख

राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस सालाना 16 जनवरी को मनाया जाता है जिसकी शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सन् 2022 में की गई थी। प्रधानमंत्री की ये सबसे विजनरी योजनाओं में एक है जिसकी मौजूदा वक्त में चारों ओर धूम है। स्टार्टअप योजना ने असंख्य लोगों के लिए न सिर्फ रोजगार के विभिन्न अवसर मुहैया करवाए, बल्कि आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में भारतीयों में ललक भी पैदा की। 'राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस' के मनाने का मकसद समूचे देश में स्टार्टअप के प्रति प्रचलन को बढ़ाना और विभिन्न क्षेत्रों के कारोबारियों के योगदान को जन-जन तक पहुंचाना होता है। निश्चित रूप से स्टार्टअप योजना से देश की आबादी आत्मनिर्भर हो रही है। बीते तीन वर्ष के आंकड़े बताते हैं कि योजना किस हद तक सफलता के कदम चूम रही है। योजना के तहत लोग बैंकों से कम ब्याज पर लोन लेकर अपना व्यवसाय शुरू करने लगे हैं। गौरतलब है कि योजना का श्रीगणेश करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्टार्टअप इकाइयों को नए भारत का 'आधार-स्तंभ' यूं ही नहीं कहा था। उन्हें पता था कि स्टार्टअप छोटे बिजनेस का वह प्रारूप है जो धीरे-धीरे आत्मनिर्भर भारत की रीढ़ बनेगा। कमोबेश, वैसा होता दिखने भी लगा है। भारत की 142 करोड़ आबादी में अभी तक 13 करोड़ लोग बीते 3 वर्षों में स्टार्टअप की विभिन्न इकाइयों से जुड़ चुके हैं।

योजना युवक-युवतियों को नित नई दिशा दिखाने और भारतीय कारोबारियों की उपलब्धियों को बढ़ावा देने में लगी है। जो लोग कभी नौकरी मांगते थे, वो अब दूसरों को नौकरियां देने लगे हैं। सरकारी आंकड़ों पर गौर करें, तो रोजगार के क्षेत्र में स्टार्टअप ने असीम संभावनाओं के द्वार खोले हैं। हालांकि, भारत में स्टार्टअप का स्वर्णिम युग अभी आना बाकी है। पर, जिस हिसाब से शुरुआत इस योजना की हुई है उससे प्रतीत होता है कि आने वाले दिनों में बिजनेस का आधार स्तंभ साबित होगा स्टार्टअप। 'राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस' के इस खास दिन के जरिए युवाओं के मन में स्टार्टअप की ललक को पैदा करना और मेक-इन-इंडिया जैसी जरूरी योजनाओं के प्रति जागरुकता के अलावा भारतीय अर्थव्यवस्था को और पंख लगाना भी केंद्र सरकार का मुख्य मकसद है। स्टार्टअप के सकारात्मक नतीजे पूरे भारत में देखने को मिल रहे हैं। शुरुआत में जिन लोगों ने कुछ लाख रूपयों से शुरू किया स्टार्टअप, अब करोड़ों टर्नओवर में पहुंच गया है। लोगों का अगरबत्ती, ई-साइकिल, आचार, सिलाई, जरी, कपड़े आदि का बिजनेस छोटे स्तर से शुरू हुआ, जो आज बड़े कारोबार में तब्दील हो चुका है। आज 'स्टार्टअप दिवस' के मौके पर केंद्र सरकार की ओर से कई और भी लाभकारी सहूलितों की घोषणाएं की जाएंगी, जो प्रत्येक वर्ष की जाती हैं। क्योंकि स्टार्टअप आधुनिक भारत की एक ऐसी इकाई है जो प्रौद्योगिकी विकास, बौद्धिक संपदा से प्रेरित नए उत्पादकों, रोजगार के अवसरों, व्यवसायिक नवाचारों, उन्नती, प्रविस्तारण और व्यवसायीकरण की दिशा में पंख लगा रही है। दरअसल, स्टार्टअप इंडिया के साथ पंजीकरण करने से कई लाभ मिलते हैं, जिनमें लगातार तीन वित्तीय वर्षों के लिए टैक्स में छूट, उच्च गुणवत्ता वाली बौद्धिक संपदा सेवाओं और सुविधा प्रदाताओं में वित्तीय लाभ सरकार से लोग प्राप्त करते हैं। स्टार्टअप योजना प्रधानमंत्री की आत्मनिर्भर भारत बनाने की मुख्य योजनाओं में गिनी जाती है। इसके जरिए वह सभी को रोजगार के धंधों से जोड़ना चाहते हैं। योजना को लेकर उनका एक विजन है जिसका उन्होंने 2030 तक टारगेट तय किया हुआ है। भारत के भविष्य को लेकर प्रधानमंत्री की मजबूत दृष्टि है। भविष्य में होने वाले बदलावों और विकासों को वह अच्छे से समझते हैं। स्टार्टअप उनकी दूरदर्शी और दिव्यदर्शी योजना है जिसके जरिए वह भारत को आत्मनिर्भर बनाना चाहते हैं। स्टार्टअप इंडिया भारत सरकार की एक प्रमुख पहल है जिसका उद्देश्य देश में स्टार्टअप्स और नये विचारों के लिए एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना है जिससे देश का आर्थिक विकास हो एवं बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर उत्पन्न हों। स्टार्टअप्स के लिए वेंचर ऋण उपलब्ध कराने के लिए बैंकों और अन्य उधारदाताओं को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार प्रति वर्ष 2500 करोड़ रुपये की एक प्रारंभिक निधि आवंटित करती है। पिछले वर्ष राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस के मौके पर केंद्र सरकार ने एक और नई पहल शुरू की है। अब स्टार्टअप्स में इन्क्यूबेटरों द्वारा निवेश कर से मुक्त कर दिया गया है। यह योजना महिला उद्यमियों और एससी और एसटी समुदायों के उद्यमियों को 10 लाख रुपये से 1 करोड़ रुपये तक की सब्सिडी वाली ऋण राशि प्रदान करती है।

किसी एक काम को ही बेहतर करें

पुराने समय में भारद्वाज मुनि थे। वे देवगुरु बृहस्पति के पुत्र थे। भारद्वाज बहुत सारा ज्ञान हासिल करना चाहते थे। उनकी सोच ये थी कि उन्हें संसार की सारी बातों का ज्ञान हो जाए। इसके लिए वे लगातार अध्ययन करते रहते थे। एक दिन बृहस्पति ने अपने पुत्र भारद्वाज से कहा कि पूरे संसार का ज्ञान वेदों में है। अगर तुम वेद पढ़ लोगे तो समझ लो कि तुमने पूरा ज्ञान हासिल कर लिया है। पिता की बात मानकर भारद्वाज वेद पढ़ने लगे। भारद्वाज मुनि की संकल्प शक्ति और पढ़ाई की एकाग्रता देखकर देवराज इंद्र प्रसन्न हो गए और वे भारद्वाज के सामने प्रकट हुए। इंद्र ने कहा कि मैं तुम्हारी लगन देखकर बहुत प्रसन्न हूं। तुम मुझसे कोई भी वर मांग सकते हो। भारद्वाज ने इंद्र से कहा कि संसार में ज्ञान बहुत सारा है, लेकिन मेरी उम्र बहुत कम है। कृपया करके मेरी उम्र सौ साल बढ़ा दीजिए। इंद्र ने भारद्वाज की उम्र सौ वर्ष और बढ़ा दी। भारद्वाज मुनि को ज्ञान हासिल करते-करते सौ वर्ष भी बीत गए। इसके बाद देवराज इंद्र ने उनकी उम्र सौ साल और बढ़ा दी। अगले सौ साल और बीत गए, लेकिन भारद्वाज को पूरा ज्ञान नहीं मिल सका। जब अगले 100 भी बीत गए गए, तब इंद्र भारद्वाज के सामने प्रकट हुए और बोले कि भारद्वाज सामने तीन पहाड़ हैं। क्या हम इन पहाड़ों से एक मुट्ठी मिट्टी लेकर इन पहाड़ों की व्याख्या कर सकते हैं? ये संभव नहीं है। ठीक इसी तरह संसार का ज्ञान है। संसार का ज्ञान अथाह है। किसी एक व्यक्ति के लिए पूरा ज्ञान हासिल करना संभव नहीं है।

कपड़े की उपयोगिता दिखावे के लिए नहीं

संत कबीर रोज अपने शिष्यों को और अन्य लोगों को उपदेश दिया करते थे। कबीर जी के उपदेश सुनने एक धनी व्यक्ति भी आता था। धनी व्यक्ति कबीर दास जी से बहुत प्रभावित था। एक दिन उस धनी व्यक्ति ने देखा कि कबीर दास जी जो कुर्ता पहनते हैं, वह बहुत पुराना हो गया और कुर्ता बहुत ही सामान्य कपड़े से बना था। अगले दिन धनी व्यक्ति एक मूल्यवान कुर्ता लेकर पहुंचा और कबीर दास को उपहार में दे दिया। कुर्ता मखमल से बना था। बाहर की ओर से कुर्ता मखमली था और अंदर की ओर उसमें सामान्य कपड़ा लगा था। धनी व्यक्ति ने सोचा था कि अब कबीर दास जी उसका दिया हुआ कुर्ता पहनेंगे। अगले दिन जब वह व्यक्ति फिर से कबीर दास जी के पास पहुंचा तो उसने देखा कि कबीर जी ने उल्टा कुर्ता पहना है। दरअसल, कबीर दास जी के कुर्ते का मलमल वाला हिस्सा अंदर की ओर था और बाहर सामान्य कपड़ा दिख रहा था। उस धनी व्यक्ति ने कबीर जी से पूछा कि ये आपने क्या किया? आपने तो कुर्ता उल्टा पहना है? सभी लोगों ने भी कबीर दास जी से पूछा कि कुर्ता मूल्यवान है तो आपने इसे उल्टा क्यों पहना है? कबीर जी ने कहा कि ये कुर्ता देखकर मैंने सोचा कि मखमल शरीर को स्पर्श होगा तो शरीर को ज्यादा बेहतर लगेगा, क्योंकि ये कपड़ा तो शरीर के लिए ही हैं। दिखाने के लिए तो साधारण हिस्सा ही काफी है। दूसरों को हमारे कपड़ों से क्या लेना-देना?

होमवर्क के बोझ से दबे बच्चे, खेलकूद भी है जरूरी

आपने अक्सर पेरेंट्स द्वारा अपने बच्चों को ऐसी हिदायतें देते देखा या सुना होगा। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ज्यादा होमवर्क बच्चों की सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है। कई बार स्कूल से बच्चों को इतना ज्यादा होमवर्क दे दिया जाता है कि वे उसी में परेशान रहते हैं। उन्हें खेलने-कूदने तक का मौका नहीं मिल पाता है। इससे उन्हें मानसिक तनाव का सामना करना पड़ता है। वहीं बहुत से पेरेंट्स अपनी बिजी लाइफ के चलते बच्चों के स्कूल या होमवर्क पर ध्यान नहीं दे पाते हैं। ऐसे में पढ़ाई और होमवर्क का प्रेशर बच्चों को किताबी कीड़ा बना देता है। वे बाहर की दुनिया से कम परिचित हो पाते हैं। साल 2013 में जर्नल ऑफ एक्सपेरिमेंटल एजुकेशन में एक स्टडी पब्लिश हुई। कैलिफोर्निया के 4300 से अधिक स्टूडेंट्स पर हुई इस रिसर्च में पाया गया कि ज्यादातर बच्चे हर रात औसतन 3 घंटे से अधिक समय तक होमवर्क कर रहे थे। इससे उनको मानसिक तनाव समेत कई तरह की फिजिकल हेल्थ प्रॉब्लम्स भी हो रही थीं। स्कूलों में दिए जाने वाले ज्यादा और कठिन होमवर्क बच्चों की फिजिकल और मेंटल हेल्थ पर नेगेटिव असर डालते हैं। जहां एक ओर बच्चों को स्कूल के बाद आराम और खेल की जरूरत होती है, वहीं ज्यादा होमवर्क उनके लिए मानसिक तनाव और थकान समेत कई तरह के हेल्थ इशू का कारण बनता है। होमवर्क स्कूल का वह काम है, जिसे बच्चों को घर पर पूरा करना होता है। इसका उद्देश्य बच्चों द्वारा स्कूल में सीखी गई बातों का अभ्यास करना है। इसलिए होमवर्क बच्चों के लिए जरूरी है। लेकिन ज्यादा होमवर्क उन्हें बीमार कर सकता है। सरकार ने बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए होमवर्क को लेकर कुछ नियम बनाए हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के मुताबिक, कक्षा 2 तक के बच्चों को कोई होमवर्क नहीं दिया जाना चाहिए। वहीं क्लास 3 से 5 तक के बच्चों को हफ्ते में सिर्फ 2 घंटे और 6 से 8 तक के बच्चों को हर दिन 1 घंटे से ज्यादा का होमवर्क नहीं दिया जाना चाहिए। 10वीं से 12वीं क्लास के स्टूडेंट्स को हर दिन 2 घंटे तक का होमवर्क दिया जा सकता है। हालांकि बहुत से स्कूल इन मानकों को फॉलो नहीं करते हैं और वे बच्चों को इससे ज्यादा होमवर्क देते हैं। ऐसे में अगर आपका बच्चा होमवर्क को लेकर ज्यादा परेशान रहता है तो इसके लिए स्कूल में बात करना जरूरी है। आजकल पेरेंट्स अपने बच्चे को बेहतर शिक्षा दिलाने के लिए उसे अच्छे स्कूल में पढ़ाना चाहते हैं। इसके लिए वह अच्छी-खासी रकम भी खर्च करते हैं। लेकिन कई बार स्कूलों के चयन में जल्दबाजी से बच्चों को उचित शिक्षा नहीं मिल पाती है। ऐसे में बच्चों के लिए स्कूल का चयन करते समय कई बातों को ध्यान में रखना जरूरी है। स्कूल की तलाश शुरू करने से पहले यह तय कर लें कि आप अपने बच्चे के लिए कैसा

स्कूल चाहते हैं। अगर आप प्ले स्कूल में बच्चे का एडमिशन कराने की सोच रहे हैं तो देखें कि स्कूल में बच्चे के लिए खेलने की पर्याप्त व्यवस्था है या नहीं। ये भी देखें कि स्कूल में प्ले ग्राउंड, लाइब्रेरी, प्रैक्टिकल लैब, स्पोर्ट्स-म्यूजिक और डांस क्लास जैसी सुविधाएं हैं या नहीं। ये जानकारी भी लें कि स्कूल किस बोर्ड से संबद्ध है। जैसेकि ष्टक्चस्श्व, ढ्ढष्टस्श्व या राज्य बोर्ड। स्कूल में पढ़ाने वाले शिक्षकों की योग्यता, ट्रेनिंग और उनके अनुभव के बारे में पूछताछ करें। स्कूल फीस, स्कूल के माहौल, स्कूल में बच्चों की सुरक्षा और आने-जाने की सुविधा जैसी जानकारी भी लें। इन सबके अलावा स्कूल मैनेजमेंट से पढ़ाने के तरीके और होमवर्क कल्चर के बारे में जरूर पूछताछ करें। बच्चों के जीवन में पढ़ाई की भूमिका जितनी महत्वपूर्ण है, उतनी ही खेलने-कूदने, घूमने और परिवार के साथ समय बिताने की भी है। इससे उनमें सोशल स्किल डेवलप होता है। इसके साथ ही वे फिजिकली और मेंटली फिट रहते हैं। इसलिए बच्चों को किताबी ज्ञान के साथ ही प्रकृति और अन्य चीजों से भी परिचित कराएं। भारत की नई शिक्षा नीति 2020 के मुताबिक, 6 साल से कम उम्र के बच्चों को पहली क्लास में एडमिशन नहीं मिल सकता। 3 से 6 साल के बच्चों का प्री-स्कूल यानी प्ले स्कूल, यूकेजी या एलकेजी में एडमिशन करवा सकते हैं। वहीं स्कूल टाइमिंग की बात करें तो छोटे बच्चों का स्कूल 5 घंटे तो बड़ों का लगभग 6 घंटे होता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, 5 से 17 साल की उम्र तक के बच्चों को सप्ताह में रोजाना कम-से-कम 60 मिनट की फिजिकल एक्टिविटीज करना या कोई भी पसंदीदा खेल खेलना चाहिए। इससे वे शारीरिक और मानसिक तौर पर फिट रहेंगे। खेल बच्चे को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह उनके इम्यून सिस्टम व शरीर को मजबूत बनाता है और दिमाग को तेज रखता है। इसलिए हमेशा इस बात का ध्यान रखें कि जिस स्कूल में बच्चों का एडमिशन कराएं, वहां खेलने के लिए भी पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए।

सूरतगढ़ के पास आपस में भिड़े 1 दर्जन से अधिक वाहन, 2 ट्रकों में लगी आग

अमृतसर जामनगर एक्सप्रेस वे पर हुआ हादसा

जनमार्ग न्यूज

सूरतगढ़। सूरतगढ़ के राजियासर थाना क्षेत्र के गांव ठेठार के नजदीक अमृतसर जामनगर भारतमाला एक्सप्रेस वे पर धुंध के कारण दो ट्रकों के आपस में टकराने से दोनों में आग लग गई। वहीं हादसे में 8 -10 अन्य ट्रक सहित करीब एक दर्जन से अधिक वाहन एक के बाद एक पीछे से टकराने से दुर्घटनाग्रस्त हो गए। इनमें राष्ट्रीय राजमार्ग की एक गाड़ी भी दुर्घटना चपेट में आ गई।

मिली जानकारी के अनुसार आज सुबह करीब सवा आठ बजे अमृतसर जामनगर भारतमाला एक्सप्रेस वे पर ठेठार के नजदीक लूणकरणसर की तरफ जा रहा लकड़ी के फट्टों से भरा ट्रक आगे चल रहे धागे से भरे ट्रक से टकरा गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों ट्रकों में आग लग गई। वहीं धुंध के कारण पीछे चल रहे करीब एक दर्जन से अधिक वाहन भी आपस में टकरा कर दुर्घटनाग्रस्त हो गए। वाहनों की टक्कर से हुई आवाज सुनकर ठेठार सहित आसपास की ढाणियों में रहने वाले ग्रामीणों ने मौके पर पहुंच कर ट्रक सवार दोनों घायलों को तुरंत बाहर निकाला, भारतमाला सड़क पर सूरतगढ़ से चढ़ने उतरने का रास्ता नहीं होने के कारण पीलीबंगा चिकित्सालय पहुंचाया। ग्रामीणों की सूचना पर राजियासर पुलिस के सहायक निरीक्षक हरबंश लाल, व रामावतार मौके पर पहुंचे जिसके बाद थर्मल, सूरतगढ़ , नगर पालिका अग्निशमन सूरतगढ़ व पीलीबंगा की दमकलों ने करीब चार घण्टे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हादसे के कारण एक्सप्रेस वे पर लम्बा जाम लगने मदद के लिए जाने वाले वाहनों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा।

दुर्घटना में आग से जलकर खाक हुये लकड़ी के फट्टों से भरे ट्रक की आग बुझाने के बाद भी धागों से भरे कटेनर में से धुंआ निकलता रहा था। पुलिस ने जेसीबी की सहायता से कटेनर के ताले तोड़कर आग बुझानी चाही लेकिन कटेनर के खुलते ही अंदर रखे धागों में लगी आग और तेज भड़क गई। सूरतगढ़ थर्मल, सूरतगढ़ नगर पालिका और पीलीबंगा की दमकलों के फायरमैन, तमकाल गाड़ी के चालकों ने ग्रामीणों की मदद से काबू पाया गया।

राज्य में 31 एम-सेण्ड इकाइयों की स्थापना के लिए ई-नीलामी प्रक्रिया शुरु: टी. रविकान्त

❑ मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा द्वारा एम-सेण्ड नीति-नियम जारी करते ही विभाग एक्शन मोड पर ❑ भारत सरकार के ई-पोर्टल पर 28 जनवरी से 6 फरवरी तक ई-नीलामी ❑ बजरी का सस्ता व सहज विकल्प, खुलेंगे निवेश और रोजगार के नए अवसर

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। खान एवं भूविज्ञान विभाग के प्रमुख शासन सचिव टी. रविकान्त ने बताया है कि राज्य में 31 एम-सेण्ड इकाइयों की स्थापना के लिए 10 जनवरी से ई-नीलामी प्रक्रिया आरंभ कर दी गई है। भारत सरकार के ई-पोर्टल पर 28 जनवरी से 6 फरवरी तक नीलामी कार्यक्रम के अनुसार बोली लगाई जा सकती है।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री एवं खान मंत्री भजन लाल शर्मा द्वारा 4 दिसंबर को नई खनिज नीति और नई एम-सेण्ड नीति जारी करने के साथ ही 3 जनवरी, 25 को दोनों ही नीतियों के अनुसार संशोधित नियम जारी होते ही विभाग एक्शन मोड पर आते हुए एक सप्ताह में ही 31 एम-सेण्ड इकाइयों की स्थापना के लिए निविदा सूचना जारी कर दी। इसके साथ ही प्रदेश में माइनिंग सेक्टर में नया निवेश और रोजगार के अवसर विकसित हो सकेंगे।

टी. रविकान्त ने बताया कि नई नीति में एम-सेण्ड इकाइयों को उद्योग का दर्जा देने के साथ ही राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना में विशेष रियायतों दी गई है। नई एम-सेण्ड नीति में आम नागरिकों को बजरी के विकल्प के रुप में सस्ती एवं सहज उपलब्धता, नदियों से बजरी की आपूर्ति पर निर्भरता कम करते हुए पारिस्थितिकीय तंत्र में सुधार, खनन क्षेत्र के आवरबर्डन का बेहतर उपयोग, भवनों और कंक्रिट ढांचे के मलबे को रिसाईकलिंग के साथ ही एम-सेण्ड उद्योग को बढ़ावा व रोजगार के अवसर विकसित करना है। नई नीति में एम-सेण्ड इकाई की स्थापना की पात्रता में रियायत देते हुए 3 साल के अनुभव व 3 करोड़ के टर्न ऑवर की बाध्यता समाप्त कर दी गई है। इसी तरह से ऑवरबर्डन पर देय रॉयल्टी को कम किया गया है वहीं नीलामी के समय एम-सेण्ड यूनिट के लिए दो प्लाट रखने के स्थान पर 5 प्लाट आरक्षित कर आवंटित किया जाएगा। इसके साथ ही ऑवरबर्डन पर देय डीएमएफटी की राशि में छूट, एम-सेण्ड के निर्माण में प्रयुक्त ऑवरबर्डन पर देय रॉयल्टी को कम करने, सरकारी और सरकार से वित पोषित निर्माण कार्यो में बजरी की मांग के आपूर्ति में 50 प्रतिशत एम-सेण्ड के उपयोग की अनिवार्यता तय की गई है ताकि प्रदेश में बजरी के विकल्प के रुप में सरकारी निर्माण कार्यों में एम-सेण्ड के उपयोग को बढ़ावा देना है। निदेशक माइंस भगवती प्रसाद कलाल ने बताया कि 15 जिलों में 31 एम-सेण्ड प्लॉटों की ई-नीलामी के लिए भारत सरकार के ई पोर्टल पर 10 जनवरी को निविदा सूचना जारी कर दी गई है। विस्तृत सूचना विभागीय वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

भगवती प्रसाद कलाल ने बताया कि अजमेर, नागौर, सिरोही, उदयपुर, चित्तोड़गढ़, जयपुर, झुन्झुनू, बारां, पाली और सीकर में दो-दो, बून्दी, डूंगरपुर और प्रतापगढ़ में तीन-तीन और कोटपुतली और दौसा में एक-एक इकाई की नीलामी सूचना जारी की गई है। उन्होंने बताया कि इनमें 28 डेलिनियेटेड प्लॉट मैसेनरी स्टोन के एम-सेण्ड इकाइयों की स्थापित करने वाले बोली दाताओं के लिए और ओवर वर्डन के 3 डेलिनियेटेड प्लॉट एम-सेण्ड इकाइयां स्थापित करने वाले बोलीदाताओं के लिए नीलाम किये जा रहे हैं।

कलाल ने बताया कि एम-सेण्ड इकाइयों की नीलामी में भाग लेने वाले बोलीदाता विभागीय वेबसाइट और भारत सरकार के ई-पोर्टल पर निविदा कार्यक्रम, प्रक्रिया आदि के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

मिनरल एक्सप्लोरेशन पर आरआईसी में गुरुवार को प्रातः साढ़े दस बजे से मंथन

मिनरल एक्सप्लोरेशन क्षेत्र के जाने-माने विशेषज्ञ और भूविज्ञानी गुरुवार 16 जनवरी को प्रातः साढ़े दस बजे से राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर पर मंथन करेंगे। प्रमुख शासन सचिव माइंस एवं जियोलोजी टी. रविकान्त ने बताया कि कार्यक्रम में केन्द्र सरकार के माइंस मंत्रालय, जियोलोजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, हैदराबाद और बैंगलोर के विशेषज्ञ, एनएमईटी, आरसीएम आईबीएम, क्यूसीआई एनएबीईटी, एमईसीएल, इंडियन ब्यूरो ऑफ माइंस, एटोमिक मिनरल डिपार्टमेंट के साथ ही केन्द्र सरकार की एंपेनल्ड निजी क्षेत्र की एक्सप्लोरेशन संस्थाएं और विभाग के अधिकारी हिस्सा लेंगे। निदेशक माइंस भगवती प्रसाद कलाल ने बताया कि राज्य में इस तरह का पहला कार्यक्रम किया जा रहा है जिसका सीधा लाभ प्रदेश के माइनिंग सेक्टर को मिलेगा।

अनिश्चित काल तक किसी व्यक्ति को हिरासत में नहीं रखा जा सकताः हाईकोर्ट

❑ न्यायालय द्वारा जब तक अभियुक्त को दोषी साबित न हो तब तक निर्दोष माना जाएगा : हाईकोर्ट ❑ एडवोकेट दिपिका सोनी ने की अभियुक्त की ओर से न्यायालय में दमदार पैरवी

जनमार्ग न्यूज

जोधपुर। जोधपुर हाईकोर्ट ने एक ऐतिहासिक आदेश गजेन्द्र सिंह बनाम राजस्थान सरकार में पारित किया हैं। हत्या के आरोपों में विचाराधीन अभियुक्त गजेंद्र सिंह ने अपनी अधिवक्ता दिपिका सोनी के जरिए हाईकोर्ट में जमानत याचिका प्रस्तुत की। जिसपर हाईकोर्ट जोधपुर के न्यायाधीश फरजंद अली ने गत 8 जनवरी 2025 बुधवार को आदेश पारित करते हुए अपने आदेश में स्पष्ट लिखा है कि अनिश्चित काल तक किसी व्यक्ति को हिरासत में नहीं रखा जा सकता। अदालत ने यह भी कहा कि मुकदमे की धीमी गति से प्रगति को देखते हुए, इसमें अभी भी समय लगेगा। गजेंद्र सिंह पर हत्या का मामला दर्ज किया गया था। साल 2018 में ट्रायल शुरू किया गया था, लेकिन अभियोजन पक्ष के गवाह पूरे नहीं हो सके। अभियोजन पक्ष के कुल 48 गवाहों में से केवल 16 अब तक जांच हो सकी है। अदालत ने कहा कि परीक्षण द्वारा ईमानदारी से प्रयास नहीं किए गए हैं। न्यायालय द्वारा जब तक अभियुक्त को दोषी साबित न हो तब तक निर्दोष माना जाएगा। अदालत के इस फैसले से गजेंद्र सिंह को बड़ी राहत मिली है। गजेंद्र सिंह की ओर से अधिवक्ता दीपिका सोनी ने दमदार पैरवी करते हुए अदालत को बताया कि उसके खिलाफ कथित अपराधों के लिए कोई मामला नहीं बनता है और उसे कारावास की सजा नहीं दी जानी चाहिए। अभियोजन पक्ष के मामले में कई खामियां और खामियां हैं। इस मामले में कोई भी ऐसा कारक नहीं है जो आरोपी याचिकाकर्ता को जमानत दिए जाने के खिलाफ काम कर सके और उसे अनुमान और अनुमान के आधार पर आरोपी बनाया गया है। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि विचाराधीन अपराध का होना चाहिए, कैदी का नहीं। अदालत ने अपने आदेश में यह भी स्पष्ट लिखा है कि हमें पूरा विश्वास है कि जिस तरह से अभियोजन एजेंसी और न्यायालय ने कार्यवाही की है, उससे अभियुक्त के त्वरित सुनवाई के अधिकार का उल्लंघन कहा जा सकता है, जिससे संविधान के अनुच्छेद 21 का उल्लंघन हुआ है। अनिश्चित काल तक किसी व्यक्ति को हिरासत में नहीं रखा जा सकता। यह फैसला न्यायिक प्रणाली में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस फैसले से न्यायपालिका की स्वतंत्रता और निष्पक्षता का प्रदर्शन हुआ है।

जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरण प्रोजेक्ट का समापन

जनमार्ग न्यूज

सूरतगढ़। अपैक्स क्लब सूरतगढ़ की तरफ से सर्दी से बचने के लिए जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरण प्रोजेक्ट का समापन किया गया। सर्दियों में अपेक्स क्लब के स्थाई प्रोजेक्ट के तहत प्रोजेक्ट चेयरमैन गिरधारी लाल शर्मा के सनिधय में क्लब के सदस्यों के आर्थिक सहयोग से शुरू किए गए कंबल वितरण कार्यक्रम का समापन किया गया

अपैक्स क्लब अध्यक्ष अशोक धमीजा ने बताया क्लब के द्वारा इस प्रकल्प में रेलवे स्टेशन एवं नई धान मंडी के पीछे झुग्गी झोपड़ी में कंबल का वितरण किया गया। कंबल वितरण अभियान में नियमित रूप से क्लब सदस्य मनोहर शर्मा, विनोद जाखड़, आकाशदीप बंसल, डा राहुल छाबड़ा, आनंद जैन, डॉ अरविंद बंसल, राजेंद्रबाबू मिश्रा, राजाराम बिनावरा, डा विशाल छाबड़ा, मनीष कवातड़ा, सन्नी चुघ, राकेश तनेजा, दीपक चुघ, संदीप अग्रवाल, सुरेंद्र गोयल सहित सदस्यों ने मकरस्क्रांती 14 जनवरी को समापन किया ।

शिक्षक संघ प्रगतिशील का प्रांतीय शैक्षिक सम्मेलन 17-18 जनवरी को

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। राजस्थान शिक्षक संघ प्रगतिशील का प्रांतीय शैक्षिक सम्मेलन 2024-25 नोहर हनुमानगढ़ में 17-18 जनवरी 2025 को आयोजित किया जा रहा है । सम्मेलन के मुख्य अतिथि पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट होंगे अति विशिष्ट अतिथि राहुल कस्वा लोकसभा सदस्य चूरु एवं कुलदीप इंदौरा लोकसभा सदस्य श्रीगंगानगर हनुमानगढ़ होंगे। विशिष्ट अतिथि अमित चाचाण विधायक नोहर, अभिमन्यु पूनिया विधायक संगरिया,विनोद गोठवाल विधायक पीलीबंगा,श्रीमती सुचित्रा आर्य पूर्व विधायक नोहर सोहन ढिल प्रधान पंचायत समिति नोहर होंगे। दूसरे दिन महासमिति का सम्मेलन होगा एवं नवीन कार्यकारिणी का गठन होगा महासमिति सम्मेलन की अध्यक्षता गोवर्धन राम बागड़वा सभा अध्यक्ष करेंगे प्रांतीय पर्यवेक्षक अभिमन्यु सिंह भदौरिया पूर्व प्रदेश मुख्य महामंत्री होंगेत्र

इस सम्मेलन में श्रीगंगानगर जिले से कृष्णा पूनिया प्रदेश उपाध्यक्ष एवं सतपाल बिश्नोई प्रदेश उपसभाअध्यक्ष- पलविंदर सिंह उप शाखा अध्यक्ष के नेतृत्व में पदमपुर से 100 शिक्षक, उपजिलाअध्यक्ष भीम सेन स्वामी एवम् रविन्द्र सिंह गिल के नेतृत्व में श्रीगंगानगर से 100 शिक्षक, करणपुर से राजकुमार सरसर जिलासभाध्यक्ष रविंद्र सिंह बराड़ उपशाखा अध्यक्ष के नेतृत्व में 50 शिक्षक, जिला अध्यक्ष गुरदास वर्मा के नेतृत्व में सादुलशहर से 50 शिक्षक सत्यनारायण सुथार, विनोद सहारण के नेतृत्व में सूरतगढ़ से 100 शिक्षक सदस्य भाग लेंगे।

अमृतसर नगर निगम के पार्षद सुजिद्र बिड़लान व आशा विडलान का स्वागत

जनमार्ग न्यूज

सूरतगढ़। अमृतसर नगर निगम के पार्षद सुजिद्र बिड़लान व उनकी पत्नी आशा विडलान के सूरतगढ़ वाल्मीकि समाज में पहुंचने पर स्वागत किया गया। राजस्थान वाल्मीकि महासभा के प्रदेश प्रदेशाध्यक्ष अमित कल्याणा व अखिल भारतीय सफाई मजदूर कर्मचारी संघर्ष समिति के अध्यक्ष रेखा घुसर, उपाध्यक्ष किरण बाला व सोनू वाल्मीकि के नेतृत्व में माला व मिठाई खिलाकर भव्य स्वागत किया गया। पार्षद सुजिद्र बिडलान ने कहा ज्यादा से ज्यादा राजनीतिक व सामाजिक सिस्टम में बच्चों को पढ़कर आगे बढ़ाऐ ताकि समाज आगे बढ़े। इस मौके पर सरपंच प्रतिनिधि त्रिलोक मेघवाल, उदाराम नायक, अखिल भारतीय सफाई मजदूर कर्मचारी संघर्ष समिति की अध्यक्ष रेखा घुसर, उपाध्यक्ष किरण बाला, संतोष मलखट, कमला अटवाल, रानी सारसर, सागर अटवाल, शांति देवी अटवाल, सोनू वाल्मीकि, अशोक, रामचंद्र, सूरज आदि समाज के गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

जरूरतमंद विद्यार्थियों को इनर, जूते व जुराबें वितरित की

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। भारतीय शिक्षा एवं स्वास्थ्य विकास समिति श्रीगंगानगर के तत्वावधान में महात्मा गाँधी माध्यमिक विद्यालय पुलिस लाईन श्रीगंगानगर के 41 जरूरतमंद विद्यार्थियों को गर्म इनर व 10 विद्यार्थियों को जूते व जुराबें वितरित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बलजीत सिंह राणा, रामदास बंसल, विजय उपवेजा थे। अध्यक्षता प्रधानाचार्या रिम्पा तलवार ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में जगीरचन्द फरमा, सुशील बांठिया, इन्दूभूषण चावला, गोल्डी पाहूजा, अर्जुन चौहान, रघुवीर जांदू रहे। मंच संचालन पूजा लड्ढा ने किया। प्रधानाचार्या रिम्पा तलवार ने भारतीय शिक्षा एवं स्वास्थ्य विकास समिति श्रीगंगानगर द्वारा विद्यार्थियों को सर्दी से बचाव हेतु गर्म इनर उपलब्ध करवाने व जूते जुराबे देने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय शिक्षा एवं स्वास्थ्य विकास समिति द्वारा समय-समय पर विद्यालय के जरूरतमंद बच्चों हेतु विभिन्न प्रकार से सहयाता उपलब्ध करवाती आ रही है जिसके लिए मैं विद्यालय परिवार की ओर से बलजीत सिंह राणा, रामदास बंसल, विजय उपवेजा का धन्यवाद ज्ञापित करती हूं। उन्होंने कहा कि महाकुम्भ के अवसर पर दिया गया जरूरतमंद को गर्म वस्त्र या जरूरत वस्तु को उपलब्ध कराने पर पुण्य के भागीदार बनते हैं। 12 साल बाद चार स्थानों पर स्नान करने से धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सभी तीर्थो के पुण्य के लाभ के बराबर पुण्य प्राप्त होता है।

जगीरचन्द फरमा ने कहा कि मनुष्य जरूरतमंद की सेवा करके भगवान के इतने समीप पहुँचा जा सकता है जो दूसरों की भलाई करता है उसके स्वयं का भी भला होता है।

बलजीत सिंह राणा ने विद्यार्थियों को अभी से अपना लक्ष्य बनाने और इसके बाद अपनी शारीरिक और मानसिक शक्ति के अनुरूप कार्य करके अपना लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं। स्वामी विवेकानन्द ने भी यही कहा था कि उठो जागो और तब तक मत रूको जब तक तुम्हें लक्ष्य की प्राप्त न हो।

साहित्यकार मदन अरोड़ा ने बच्चों को प्रेरित किया कि मानव का सच्चा जीवन उसकी विद्या ही है जिसके कारण वह विद्वान कहलाता है। कार्यक्रम के अंत में पूजा लड्ढा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

श्रीगंगानगर के युवाओं ने नेशनल फिटनेस गेम्स में लहराया परचम

राजेशपाल एवं महेन्द्र ने उत्कृष्ट प्रदर्शन से रजत पदक जीतकर किया गौरवान्वित

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। श्रीगंगानगर के युवाओं ने नेशनल फिटनेस गेम्स में अपना परचम लहराया है। पतंजलि युवा समिति तहसील प्रभारी विश्वजीत वर्मा ने विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए बताया कि दिल्ली में आयोजित नेशनल फिटनेस गेम्स में श्रीगंगानगर हसल-365 जिम के युवा राजेशपाल एवं महेन्द्र ने क्रॉस फिट तथा वेट ट्रेनिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीतकर गौरवान्वित किया है। प्रतियोगिता के समापन समारोह में आयोजकों द्वारा रजत पदक विजेता राजेशपाल एवं महेन्द्र को छह हजार रूपये की इनामी राशि प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। विश्वजीत वर्मा सहित फिटनेस के प्रति जागरूक युवाओं ने इस शानदार उपलब्धि पर खुशी का इजहार करते हुए कहा कि राजेशपाल एवं महेन्द्र ने नेशनल फिटनेस गेम्स में रजत पदक जीतकर श्रीगंगानगर का नाम रोशन किया है, जिन्हें आगामी कार्यक्रम में आयुष्मान योग समिति द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

लेते रहें ओमेगा थ्री फैटी एसिड कई बीमारियों से होगा बचाव

शरीर में विटामिंस, कैल्शियम की तरह ही ओमेगा-3 फैटी एसिड की भी आवश्यकता होती है। इसकी कमी से कई समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर फूड्स को आप अपनी डाइट में जरूर शामिल करें।

शरीर में ओमेगा-3 फैटी एसिड की कमी कई समस्याओं का कारण बनती है। इससे थकान, याददाश्त कमजोर होना, ड्राई स्किन, दिल के रोग, मूड स्विंग, तनाव, ब्लड सर्कुलेशन का बिगड़ना जैसे गंभीर लक्षण महसूस हो सकते हैं। यह मस्तिष्क के स्वास्थ्य के लिए भी आवश्यक है। पुरुषों के लिए रोजाना 1,600 मिलीग्राम और महिलाओं के लिए 1,100 मिलीग्राम की मात्रा में इसकी आवश्यकता होती है।

ये होते हैं फायदे

ओमेगा-3 फैटी एसिड आपकी त्वचा को मुलायम, नमी से युक्त और झुर्रियों से मुक्त रखता है। त्वचा को डिहाइड्रेट होने से बचाता है। यह मुंहासों को आने से रोकता है। इतना ही नहीं यह सूर्य की रोशनी से त्वचा को होने वाले नुकसान से रक्षा करता है। गर्भावस्था के दौरान ओमेगा-3 फैटी एसिड के सेवन से गर्भवती महिलाओं के साथ-साथ गर्भस्थ शिशु का शरीर भी निरोग रहता है। हृदय संबंधी रोगियों के लिए ओमेगा-3 फैटी एसिड वरदान की तरह है। ओमेगा-3 फैटी एसिड में भरपूर फाइबर होता है। इसके सेवन से पेट भरा-भरा महसूस होता है और अधिक भोजन ग्रहण करने से हम बचते हैं। इस तरह मोटापा कम करने में सहायक है। आंखों की रेटिना, ओमेगा थ्री के नियमित सेवन से स्वस्थ रहती हैं। ओमेगा 3 फैटी एसिड हाई ब्लड प्रेशर को कम करता है और गुड कोलेस्ट्रॉल (एचडीएल) के लेवल को बढ़ाता है। रक्त के थक्के बनने से रोकता है। यह सूजन को कम करता है और धमनियों के कार्य को गतिशील रखता है। टाइप 1 डायबिटीज में भी ओमेगा-3 फैटी एसिड राहत दिलाता है। शरीर में ओमेगा-3 फैटी एसिड की कमी से आंत संबंधी रोग, भूलने की बीमारी (अल्जाइमर) जैसी बीमारियां भी हो सकती हैं। यह लिवर को फैटी होने से रोकने में मदद पहुंचाता है। इसके साथ ही लिवर की सूजन को भी कम करता है। ओमेगा-3 फैटी एसिड हड्डियों में कैल्शियम की मात्रा बढ़ाता है। इससे ऑस्टियोपोरोसिस का जोखिम कम होता है। यह जोड़ों के दर्द में कमी लाता है और मांसपेशियों को मजबूती देता है।

ओमेगा-3 फैटी एसिड के स्रोत

अब जान लेते हैं कि किन फूड आइटम्स में यह पाया जाता है?

चिया सीड्स: चिया सीड्स ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर होती है। 28 ग्राम चिया सीड्स में 5,050 मिलीग्राम ओमेगा-3 पाया जाता है।

अखरोट: अखरोट में एएलए ओमेगा-3 फैटी एसिड होता है। 28 ग्राम या लगभग 14 अखरोट में 2,570 मिलीग्राम ओमेगा-3 पाया जाता है।

अलसी: अलसी ओमेगा-3 फैटी एसिड का खजाना है। इसे तेल, चटनी आदि रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं। 10.3 ग्राम अलसी के बीज में 2,350 मिलीग्राम ओमेगा-3 पाया जाता है।

सोयाबीन: सोयाबीन में ओमेगा-3 फैटी एसिड बहुत अधिक होता है। 1/2 कप (47 ग्राम) सूखे भुने हुए सोयाबीन में 670 मिलीग्राम ओमेगा-3 फैटी एसिड होता है।

अन्य स्रोत: इनके अलावा सरसों, मेथी के बीज, काला चना, लाल राजमा, सहजन की पत्तियां, पालक आदि भी ओमेगा-3 फैटी एसिड के मुख्य शाकाहारी स्रोत हैं। वहीं ओमेगा-3 के मांसाहारी स्रोत में अधिक वसा वाली मछलियां जैसे कि सैल्मन, टूना आदि शामिल हैं। *

सर्दी के मौसम में मन रहेगा हैप्पी

अकसर कम तापमान, धूप की कमी, छोटे दिन और लंबी रातें होने की वजह से सर्दियों में मानसिक स्थिति में उतार-चढ़ाव बहुत ज्यादा होता है। अवसाद, चिड़चिड़ापन और अनावश्यक तनाव से बचने और हैप्पी रहने के लिए अपनाएं कुछ खास उपाय।

सर्दी के मौसम में कुछ लोग बहुत डल या कहें लो फील करते हैं। इससे बचाव के लिए आप कुछ आसान उपाय आजमा सकते हैं।

फोटो थेरेपी है इफैक्टिव

प्रकाश चिकित्सा में, जिसे फोटो थेरेपी भी कहा जाता है, आप एक विशेष प्रकाश बॉक्स से कुछ फीट की दूरी पर बैठते हैं ताकि आप प्रत्येक दिन जागने के पहले घंटे के भीतर उज्ज्वल प्रकाश के संपर्क में आ सकें। प्रकाश चिकित्सा नेचुरल लाइट्स की नकल करती है और मूड से जुड़े मस्तिष्क रसायनों में बदलाव लाती है।

आजमा सकते हैं आर्ट थेरेपी

मस्तिष्क में डोपामाइन और सेरोटोनिन जैसे फील गुड न्यूरोट्रांसमीटर बढ़ाने के लिए मनोवैज्ञानिक और व्यवहार विशेषज्ञ इन दिनों आर्ट और क्रिएटिव थेरेपी का इस्तेमाल कर रहे हैं। मानसिक स्वास्थ्य को दुरुस्त करने के लिए यह एक प्रभावी तकनीक है। कई अध्ययनो में पता चला है कि कला से जुड़ी गतिविधियां, मस्तिष्क में फील गुड हारमोंस का स्राव बढ़ाती हैं। आप चाहें तो पेंटिंग या ड्राइंग जैसी गतिविधियों में इंवॉल्व हो सकते हैं।

कलर थेरेपी

मूड स्विंग जैसी समस्याओं में बेहद कारगर है कलर थेरेपी। ऐसा न सिर्फ हमारे पूर्वजों और कुदरती चिकित्सा विशेषज्ञों का मानना था बल्कि आधुनिक मनोवैज्ञानिकों का अध्ययन भी इसका समर्थन करता है। रंग चिकित्सा उपचार का बेहद प्राचीन तरीका है। आज की भाषा में इसे क्रोमोथेरेपी कहते हैं। रिसर्च बताते हैं कि पीले और नारंगी रंग दिमाग में सेरोटोनिन नामक फील गुड हार्मोन का स्तर बढ़ाते हैं। इससे मूड बेहतर होता है, शरीर में पॉजिटिव एनर्जी बढ़ती है तथा क्रिएटिविटी के लिए मोटिवेशन मिलता है। आपको अपने घर में सूर्य की रोशनी से मिलते-जुलते पीले नारंगी रंगों का उपयोग करना चाहिए या वैकल्पिक रूप से आप क्रोमोथेरेपी लैंप भी आजमा सकते हैं।

फॉरेस्ट बाथिंग

हम दिनों दिन कुदरत से दूर होते जा रहे हैं। पहले हमारे घरों के बाहर और आस-पास भरपूर हरियाली व पेड़-पौधे होते थे। इस कमी से बचने के लिए जापान, फिनलैंड, अमेरिका और साउथ कोरिया में फॉरेस्ट बाथिंग की परंपरा है। लेकिन फॉरेस्ट बाथिंग की शुरुआत सबसे पहले सन 1980 में जापान में एक मनोवैज्ञानिक अभ्यास के रूप में हुई। जापानी भाषा में इसे शिनरिन योकू कहा जाता है। इसमें प्रकृति के साथ सीधा जुड़ाव होता है। इसमें लोगों को पक्षियों की आवाज सुनने, पेड़ों को गले लगाने और उनकी महक को महसूस करने के लिए प्रेरित किया जाता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि जंगल की हवा में पेड़ों से निकलने वाले प्राकृतिक रसायन फाइटोसायनाइड होते हैं, जो तनाव के हार्मोन को कम करते हैं। इसके अलावा ये खुशी बढ़ाने वाले सेरोटोनिन हार्मोन का लेवल बढ़ाते हैं। प्रकृति के बीच बिताया गया समय मन की शांति और स्थिरता लाने वाली मस्तिष्क की अल्फा वेव्स को सक्रिय करता है। यह थेरेपी दिल की धड़कन को भी दुरुस्त करती है। अध्ययन में सामने आया कि इससे तनाव कम रहता है और जीवन की गुणवत्ता बेहतर होती है।

बायोयूरल बीट्स थेरेपी

अलग-अलग फ्रीक्वेंसी की बीट्स सुनने से मूड स्थिर होता है। कई अध्ययनों में पता चला है कि अलग-अलग फ्रीक्वेंसी की ध्वनि तरंगों को सुनना मन को सुकून देने वाला होता है। विभिन्न फ्रीक्वेंसी की ध्वनि तरंगों को सुनने से मस्तिष्क एक नई फ्रीक्वेंसी प्रोसेस कर लेता है। यह प्रक्रिया मस्तिष्क की तरंगों को अल्फा, बीटा, थीटा या डेल्टा स्टेट में लाती है। अल्फा तरंगों से मन शांत होता है, जबकि थीटा तरंगों से भावनात्मक संतुलन बढ़ता है। इन्हें रेग्युलर सुनने से न्यूरोलॉजिकल संतुलन बेहतर होता है। आप चाहें तो मन को सुकून देने के लिए अल्फा या थीटा फ्रीक्वेंसी पर आधारित बीट्स सुन सकते हैं।

इन सरल उपायों से सर्दी के इस मौसम में आपका मन उदास नहीं होगा। *

सीजनल डिजीज

मौसमी रोगों में प्रभावी आयुर्वेदिक औषधियां

सर्दी जैसे-जैसे बढ़ रही है, लोगों में जुकाम, खांसी और श्वसन संबंधित समस्याएं भी काफी देखी जा रही हैं। वहीं दूसरी तरफ प्रदूषण के बढ़ते स्तर के कारण भी यह समस्या और गंभीर होती जा रही है। इस दौरान एलर्जी के कारण भी संक्रमण और तेजी से फैलता है। इस मौसम में खांसी, निमोनिया, रेस्पिरेटरी सिन्सिटियल वायरस से होने वाला संक्रमण, फ्लू और प्रदूषण से होने वाली समस्याएं काफी बढ़ रही हैं। इनसे बचाव के लिए श्वसन संबंधित स्वास्थ्य और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए ध्यान देना अत्यंत आवश्यक है। ऐसे में आयुर्वेद के विशेषज्ञ इस मौसम में स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं से बचाव के लिए सबसे पहले शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के महत्व पर जोर देते हैं।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाएं: प्रवेक कल्प के आयुर्वेद विशेषज्ञ और कंसल्टेंट, **डॉ. जीएस तोमर** के अनुसार, 'हमें रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले उपायों और दवाओं के बारे में जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता है, क्योंकि वे लंबे समय तक आपको स्वस्थ रखते हैं। आयुर्वेद उपचार पद्धति में शरीर के संपूर्ण स्वास्थ्य के महत्व पर जोर दिया जाता है, जिसके कारण ना सिर्फ आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है बल्कि प्रदूषण और मौसम में परिवर्तन के कारण जो श्वसन संबंधित समस्याएं आती है, उससे बचाव में भी मदद मिलती है।'

ये औषधियां हैं कारगर: आयुर्वेद विशेषज्ञों के अनुसार, शाकाहारी सिल्वर वरक, शुद्ध केसर, मुक्ता पंचामृत और शुद्ध शहद जैसी आयुर्वेदिक औषधियां हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता तो बढ़ाती ही हैं, साथ ही ये औषधियां श्वसन स्वास्थ्य के लिए विशेष रूप से फायदेमंद हैं। **डॉ. तोमर** कहते हैं, 'सिल्वर वरक अपने कायाकल्प गुणों के लिए जाना जाता है। शुद्ध केसर जीवन शक्ति को बढ़ाता है। मुक्ता पंचामृत, श्वसन स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है। शुद्ध शहद ऊर्जा को बढ़ाता है और एक प्राकृतिक प्रतिरक्षा बढ़ाने वाले के रूप में कार्य करता है। खांसी और जुकाम के लिए कफ कल्प या प्रतिरक्षा बढ़ाने के लिए रजतप्राश जैसे आयुर्वेदिक फॉर्मूलेशन का दैनिक सेवन कई लाभ प्रदान करता है। ये मौसमी संक्रमणों से लड़ने के लिए प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करते हैं, खांसी, जुकाम और अन्य श्वसन समस्याओं को कम करने में मदद करते हैं। ये प्रदूषण से होने वाली एलर्जी से भी राहत प्रदान करते हैं।' *प्रस्तुति: सेहत फीचर्स

स्वादिष्ट-गुणकारी अमरूद

अमरूद को कुदरत ने कई स्वास्थ्यवर्धक गुणों से भरपूर किया है। प्रांतीय भाषाओं में यह अनेक नामों से प्रसिद्ध है। जैसे जामफल, पेरू, सफरी, लताम और अमरूद। आयुर्वेद के विद्वानों ने उत्तम स्वास्थ्य के लिए फलों का सेवन उपयोगी बताया है। अन्य फलों की तरह ही अमरूद को भी स्वास्थ्यवर्धक और गुणकारी फल माना जाता है। अपने स्वाद और गुणों के कारण ही यह आम लोगों का प्रिय फल माना जाता है। जाड़ों में इसकी पैदावार खूब होती है। एक दूसरी जाति के अमरूद के अंदर का हिस्सा लाल होता है, जो अधिक गुणकारी होता है। इसमें कई जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं जैसे-प्रोटीन, खनिज लवण, कार्बोहाइड्रेट, कैल्शियम, फास्फोरस और आयरन आदि। इसके बीजों में आयरन की मात्रा अधिक होती है। अमरूद खाते समय इसके बीजों को फेंकने के बजाय खूब चबा-चबा कर खाना चाहिए। इससे विटामिन सी की प्राप्ति होती है। लेकिन अगर अमरूद ज्यादा खा लें तो तुरंत हजम करने के लिए जरा सी सौंफ या गुड़ खाने से शीघ्र लाभ मिलता है। बच्चों को अमरूद खिलाते समय ध्यान रखें कि इसको बीज, छिलके समेत चटनी की तरह खूब पीस कर खिलाना हितकर है। यह भी ध्यान रखें कि अमरूद कच्चा न हो और छील कर भी न खाया जाए। नहीं तो कब्ज हो सकता है।

कई तरह से लाभकारी: जिनको हाथ-पैरों में जलन महसूस होती हो उनको भोजन के बाद अमरूद अवश्य खाना चाहिए। जो लोग कब्ज से परेशान हैं, उनके लिए भोजन से पहले अमरूद खाना लाभकारी है।

गठिया रोग से ग्रस्त लोगों को दर्द से राहत के लिए इसको खूब पीस कर जोड़ों पर लेप लगाना चाहिए। दांत दर्द, मसूड़ों की परेशानी में इसके पत्ते चबाने और पत्तों का काढ़ा बनाकर जरा सी फिटकरी मिला कर कुल्ला करने से खून आना बंद होता है। किसी भी प्रकार का सिर दर्द हो तो इसको पत्थर पर पीस कर सिर पर लेप लगाना लाभकारी है। लेकिन यह लेप सूरज निकलने से पहले करना जरूरी है। पुराना घाव जो भरता न हो तो इसकी जड़ का काढ़ा बनाकर घाव धोना लाभकारी है। खांसी-जुकाम हो तो भूभल में इसको भून कर नमक लगा कर खाना हितकर है। भांग या धतूरे का नशा दूर करने के लिए अमरूद खिलाना और इसके पत्तों का रस पिलाना लाभकारी है। यहां बताए गए

उक्त सभी उपचार-उपाय सामान्य हैं। प्रयोग करने से पहले अपने स्थानीय वैद्यजी या आयुर्वेद विशेषज्ञ से सलाह अवश्य करें। *

पतंगबाजी ने लीं कई जानें, पतंग उड़ाने को लेकर जाने कानून

हर साल की तरह इस साल भी मकर संक्रांति के मौके पर राजस्थान, गुजरात, उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में पतंग के मांझे के कारण कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी। वहीं बहुत से लोग घायल हो गए। इसके अलावा पतंग के मांझे से सैकड़ों पक्षी भी घायल हुए हैं। हाल ही में उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में चाइनीज मांझे ने एक पुलिस कॉन्स्टेबल की जान ले ली। कॉन्स्टेबल बाइक से ड्यूटी पर जा रहा था। तभी एक पतंग का मांझा उसकी गर्दन में उलझ गया। इससे कॉन्स्टेबल की गर्दन कट गई और कुछ ही सेकेंड में उसकी दर्दनाक मौत हो गई। आमतौर पर पतंग उड़ाने के लिए दो तरह के मांझे का इस्तेमाल होता है। पहला सूती मांझा और दूसरा चाइनीज मांझा। सूती मांझे की अपेक्षा चाइनीज मांझा ज्यादा खतरनाक होता है। यह नायलॉन का बना होता है। इस मांझे पर कांच या मैटेलिक पाउडर से धार भी लगाई जाती है। यही वजह है कि यह सूत के मांझे से ज्यादा शार्प होता है। यह सामान्य मांझे की तुलना में कई गुना धारदार होता है। साथ ही बिजली के तार से संपर्क में आने पर चाइनीज मांझे में करंट भी आ सकता है। हाल ही में राजस्थान के सीकर से एक ऐसा ही मामला सामने आया। यहां एक 15 वर्षीय बच्चे की चाइनीज मांझे में करंट आने से मौत हो गई। पर्यावरणविद् राशिद नूर खान बताते हैं कि पतंग उड़ाने के शौकीन लोग इसे मुकाबले की तरह लेते हैं। कुछ राज्यों में पतंगबाजी की प्रतियोगिताएं भी होती हैं। इसमें ज्यादा-से-ज्यादा दूसरों की पतंग काटने की होड़ होती है। सूत का मांझा कमजोर होता है। वह इस कसौटी पर खरा नहीं उतरता है। जबकि चाइनीज मांझा बहुत मजबूत होता है, जो आसानी से नहीं टूटता है। यही वजह है कि चाइनीज मांझा पतंग उड़ाने के लिए युवाओं की पहली पसंद है। इसके अलावा सामान्य मांझे की अपेक्षा चाइनीज मांझा सस्ता होता है। इसलिए लोग बैन होने के बाद भी इसे चोरी-छिपे खरीदते हैं। एडवोकेट यशदीप सिंह बताते हैं कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने साल 2017 से देश भर में नायलॉन या चाइनीज मांझे की खरीद, ब्रिकी, स्टोरेज और इस्तेमाल पर पाबंदी लगा रखी है। इसके बावजूद बहुत से लोग इसे खरीदते और बेचते हैं। नियमों का उल्लंघन करने पर पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 की धारा 15 के तहत 5 साल तक की सजा और 1 लाख तक का जुर्माना हो सकता है। एयरपोर्ट और फ्लाइट रूट के आसपास पतंगबाजी करना खतरनाक हो सकता है क्योंकि यह विमानों की सुरक्षा को प्रभावित कर सकता है। साथ ही बिजली के तारों और पोलों के आसपास पतंग नहीं उड़ानी चाहिए। इससे पतंग के मांझों में बिजली का करंट भी आ सकता है। साथ ही गली-मोहल्लों, सड़क और रेलवे लाइन के पास पतंग उड़ाना खतरनाक है। ऐसा करना किसी दुर्घटना का कारण बन सकता है। इसके अलावा कुछ अन्य जगहें हैं, जहां पतंग उड़ाना खतरनाक है। पतंग उड़ाते समय होने वाले हादसों को रोकने के लिए सबसे पहले चाइनीज मांझे व अन्य तेज धार वाला मांझा खरीदने से बचें। ये आपके साथ-साथ अन्य लोगों के लिए भी दुर्घटना का कारण बन सकता है। वहीं पेरेंट्स अपने बच्चों को बिजली के तारों, रेलवे लाइन, संकरी गलियों, घर ही छत और सड़क के आसपास पतंग न उड़ाने दें। ऐसा करना जानलेवा हो सकता है। जिन क्षेत्रों में काफी पतंगें उड़ाई जाती हैं, वहां वाहन चलाते समय सावधान रहना जरूरी है।

सर्दियों में हाई बीपी कर सकते हैं कंट्रोल

सर्दी के मौसम मे कई वजहो से लोग हाई बीपी से ग्रस्त हो जाते है। इससे कई तरह के हेल्थ रिस्क बढ सकते है। ऐसे मे जरूरी है कि उन कारणों से बचा जाए, जो बीपी को हाई करते है। साथ ही डॉक्टर से कंसल्ट कर होम्योपैथिक दवा का भी सेवन कर सकते हैं।

आमतौर पर सर्दी के मौसम में बीमारियां कम होती हैं। खासतौर से बैक्टीरिया और पैरासाइट्स के कारण उत्पन्न होने वाली बीमारियां इस मौसम में कुछ कम हो जाती हैं। लेकिन कई लोगों को हाई बीपी की प्रॉब्लम घेर लेती है।

हाई बीपी के कारण: ठंड के कारण धमनियों का संकुचित हो जाना, जिससे रक्त के प्रवाह को सामान्य बनाए रखने के लिए हार्ट को अधिक कार्य करना पड़ता है। रक्त में गाढ़ापन और कभी-कभी थक्के बनना। इससे भी शिराओं और धमनियों में रक्त संचार धीमा और बलपूर्वक होने लगता है, जो ब्रेन, हार्ट, किडनी और फेफड़े चारों के लिए घातक है। धमनियों में अवरोध के कारण मस्तिष्क में रक्त संचार की कमी। जिसके कारण मस्तिष्क सुस्त होने लगता है। जिसकी पूर्ति ब्रेन, हार्ट रेट और रक्त संचार को बढ़ाकर करता है। पसीने से नमक काफी अधिक मात्रा में शरीर से बाहर जाता है। लेकिन जाड़े के मौसम में पसीना नहीं निकलता, जिसके कारण भी नमक का कंसंट्रेशन रक्त में बढ़ जाता है, जो उच्च रक्तचाप का एक प्रमुख कारण है। जाड़े के मौसम में ठंड और आलस्य के कारण लोग लिहाफ से बाहर नहीं निकलना चाहते। वार्मअप, व्यायाम और योगासन जैसी जरूरी और रक्त संचार को सक्रिय रखने वाली प्रक्रियाएं घट जाती हैं, जो रक्त के जमाव को प्रोत्साहित करती हैं। फलस्वरूप उच्च रक्तचाप बढ़ जाता है। जाड़े में स्पाइसी और तैलीय भोजन का प्रयोग बढ़ने से लिवर फंक्शन प्रभावित होता है। रक्त वाहिकाओं में कोलेस्ट्रॉल का जमाव होने लगता है, जो रक्तचाप को बढ़ावा देता है।

हाई बीपी के दुष्प्रभाव: रक्तचाप के बढ़ जाने से मस्तिष्क की धमनियां फट सकती हैं। जाड़े के दिनों में मॉर्निंग वॉक या टॉयलेट में इसे अकसर होते हुए पाया जाता है।

- रक्त के थक्के जम जाने, कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ जाने, अथवा हार्ट को जमे हुए रक्त को संचालित करने के लिए ज्यादा काम करना पड़ता है। जिसके कारण उसके मस्कुलेचर को कोरोनरी आर्टरी प्रचुर मात्रा में रक्त प्रदान नहीं कर पाती। यही एंजाइना, हार्ट ब्लॉक और हार्ट अटैक का कारण बनता है।
- मस्तिष्क की अति सक्रियता के कारण अमाशय में एचसीएल और पेप्सिन का स्राव बढ़ जाता है, जो हाइपरएसिडिटी का कारण बनता है और पाचन को प्रभावित करता है।
- सिर दर्द, अवसाद, बेचैनी, चिड़चिड़ापन और बात-बात पर गुस्सा करना।

बचाव के उपाय: आप इन उपायों पर अमल करें-

- यथासंभव खुद को ठंडक से बचाइए।
- सुबह वार्म अप करके ही बाहर टहलने निकलें।
- रोज सुबह घर में ही व्यायाम किया जाए।
- सुबह पूरे शरीर में तेल की मालिश कर यदि संभव हो तो कुछ समय तक धूप का सेवन करें।
- हंसने और खिलखिलाने से परहेज न करें। इससे अवसाद से बच सकेंगे।
- हरी सब्जियों, सलाद, फल और दूध का सेवन करें।
- शहद का सेवन करें। भोजन में नमक की मात्रा कम करें।
- गर्म वस्त्रों और अन्य साधनों से शरीर के तापमान को नियंत्रित रखें।
- भोजन में विटामिन डी, ए, सी और बी12 को जरूर शामिल करें।
- फास्ट फूड और अत्यधिक तैलीय भोजन से बचें।

होम्योपैथिक दवाएं: अपने होम्योपैथिक डॉक्टर से कंसल्ट कर एकोनाइट, जेल्सीमियम, आरम मेटालिकम, बेराइटा म्यूर, आर्सेनिक एल्ब, लैकेसिस, थूजा, क्रेटेगस आक्स, आर्निका मांट, जिंजिबर, वेरेट्रम विरिडी, राउल्फिया सर्पेंटाइना, ऐड्रीनलिन और इग्नेशिया में से किसी दवा का सेवन कर सकते हैं। किसी भी दवा का अपने मन से सेवन कभी न करें। *

कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा से तेहरपुरिया की शिष्टाचार भेंट

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री (लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी) रणबीर जी गंगवा से उनके निवास चंडीगढ़ में भाजपा जिला कार्यालय मंत्री शिवप्रकाश तेहरपुरिया ने शिष्टाचार भेंट की एवं गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया। रणबीर जी गंगवा को हरियाणा सरकार में कैबिनेट मंत्री (लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी) बनाने पर माननीय मुख्यमंत्री नायब सिंह जी सैनी और भाजपा प्रदेश एवं केंद्रीय नेतृत्व का आभार और धन्यवाद ज्ञापित किया। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ एवं लोहड़ी और मकर संक्रांति की हार्दिक बधाई और शुभकामनायें दी।

मार्क जुकरबर्ग का भारत पर बयान–जो रोगन पॉडकास्ट

श्रीगंगानगर। मार्क जुकरबर्ग ने झूठा दावा किया कि भारत की वर्तमान सरकार कोविड-19 की कमजोर प्रतिक्रिया के कारण चुनाव हार गई, जिसके चलते केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव की तीखी प्रतिक्रिया सामने आई। संसदीय समिति ने मेटा को मार्क के बयान पर तलब किया तथा मेटा ने मार्क जुकरबर्ग के बयान पर माफी मांगी

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि 10 जनवरी 2025 जो रोगन के साथ एक इंटरव्यू में, मार्क जुकरबर्ग ने गलत दावा किया कि 2024 के चुनावों में अधिकांश सत्तारूढ़ सरकारें, जिसमें भारत भी शामिल है, हार गईं। मार्क जुकरबर्ग ने कहा, (2024 दुनिया भर में चुनावों का एक बड़ा साल था और इन सभी देशों, भारत और अन्य कई देशों में चुनाव हुए। मौजूदा सरकारें लगभग हर जगह हार गईं। ''13 जनवरी 2025 भारत के संदर्भ में यह दावा तथ्यात्मक रूप से गलत था। 2024 के चुनावों में, एनडीए सरकार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, सत्ता में बनी रही। केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मार्क जुकरबर्ग के बयान की तथ्य-जांच की और प्रतिक्रिया दी। उन्होंने ट्वीट किया कि ''दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत ने 2024 के चुनावों में 640 मिलियन से अधिक मतदाताओं के साथ एनडीए में विश्वास व्यक्त किया। जुकरबर्ग का यह दावा कि कोविड-19 के बाद 2024 के चुनावों में भारत सहित अधिकांश सत्तारूढ़ सरकारें हार गई, तथ्यात्मक रूप से गलत है।''

वैष्णव ने कहा कि 13 जनवरी 2025 सूचना प्रौद्योगिकी और संचार पर संसदीय स्थायी समिति, जिसकी अध्यक्षता निशिकांत दुबे कर रहे हैं, ने मेटा को इस गलत

जानकारी के लिए तलब करने की योजना बनाई। निशिकांत दुबे ने कहा ''किसी भी लोकतांत्रिक देश के बारे में गलत जानकारी उसकी छवि खराब करती है। इस संगठन को इस गलती के लिए संसद और यहां की जनता से माफी मांगनी होगी।'' 14 जनवरी 202 मेटा इंडिया के सार्वजनिक नीति के उपाध्यक्ष शिवनाथ ठुकराल ने मंत्री के ट्वीट के जवाब में मेटा की ओर से माफी मांगी। उन्होंने लिखा ''मंत्री अश्विनी वैष्णव, मार्क का यह अवलोकन कि 2024 के चुनावों में कई सत्तारूढ़ दलों को दोबारा नहीं चुना गया, कई देशों के लिए सही है, लेकिन भारत के लिए नहीं। हम इस अनजाने में हुई गलती के लिए माफी मांगते हैं। भारत मेटा के लिए एक अविश्वसनीय रूप से महत्वपूर्ण देश बना हुआ है, और हम इसके नवाचार के भविष्य में योगदान करने की उम्मीद करते हैं।''

विवाद का विवरण: मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक. के अध्यक्ष और सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने जो रोगन पॉडकास्ट में भारत को कोविड-19 महामारी के दौरान सरकारों के प्रति असंतोष का उदाहरण दिया। उनका बयान यह सुझाव देता है कि महामारी के बाद अधिकांश सत्तारूढ़ सरकारें, जिनमें भारत भी शामिल है, अगले चुनाव हार गईं।

केंद्रीय मंत्री की प्रतिक्रिया: केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जुकरबर्ग के दावे की तथ्य-जांच करते हुए इसे खारिज किया। उन्होंने भारत के 2024 के चुनावों को दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक प्रयास के रूप में बताया, जिसमें 640 मिलियन से अधिक मतदाताओं ने भाग लिया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनड, सरकार को एक मजबूत जनादेश दिया। वैष्णव ने भारत सरकार द्वारा कोविड-19 के दौरान उठाए गए कुछ प्रमुख कदम भी गिनाए, जिनमें 800 मिलियन नागरिकों को मुफ्त खाद्यान्न वितरण, 2.2 बिलियन मुफ्त वैक्सीन खुराक, 110 मिलियन से अधिक किसानों को वित्तीय सहायता, ''वसुधैव कुटुंबकम'' (दुनिया एक परिवार है) की भावना को अपनाते हुए अन्य देशों को सहायता प्रदान करना तथा रणनीतिक निवेश के कारण मजबूत महामारी के बाद की आर्थिक सुधार।

संसदीय समिति का कदम: निशिकांत दुबे की अध्यक्षता वाली समिति ने मेटा के अधिकारियों को तलब किया है और 20.24 जनवरी के बीच चर्चा करेगी। अगर मेटा द्वारा माफी नहीं दी गई तो कानूनी कार्रवाई की सिफारिश की जा सकती है।

मेटा की माफी: मेटा के भारत और दक्षिण एशिया के सार्वजनिक नीति निदेशक शिवनाथ ठुकराल ने सोशल मीडिया पर माफी जारी की और भारत को मेटा के नवाचारों के लिए एक महत्वपूर्ण भागीदार बताया।

भंडारे का आयोजन

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। वार्ड नम्बर 19 के दुकानदारों द्वारा मकर संक्रांति के अवसर पर एक भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। इस आयोजन में पूर्व सभापति संतोष बंसल और कॉलोनी के सभी दुकानदारों ने मिलकर सहभागिता की। कार्यक्रम की शुरुआत में सभी दुकानदारों ने भगवान को भोग अर्पित किया और क्षेत्र की सुख-समृद्धि व खुशहाली की कामना की। इसके बाद भंडारे की शुरुआत हुई, जिसमें क्षेत्रवासियों को स्वादिष्ट भोजन वितरण किया गया। भंडारे में विभिन्न प्रकार के पकवान जैसे छोले, पूरी, हलवा आदि वितरित किए गए। इस आयोजन में प्रमुख योगदान देने वाले दुकानदारों में विक्रम बंसल, बब्बू नाई, अरुण बहती, महेंद्र यादव, महेंद्र गिरधर, शुभम, जतिन अरोड़ा, लकी मुंजाल, पुष्पेंद्र, रविंदर गुम्बर, मदन ठकराल और डॉ. ऋषभ गुप्ता शामिल थे। इन सभी ने अपने सहयोग से इस भंडारे को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

राजस्थान पटवार संघ की अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ। राजस्थान पटवार संघ की अनिश्चितकालीन हड़ताल दूसरे दिन भी जारी रही। पटवार संघ के समस्त सदस्य जिला कलक्ट्रेट के समक्ष धरने पर बैठे और अपनी विभिन्न मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान पटवारी कर्मचारियों ने नारेबाजी की और प्रमुख शासन सचिव को ज्ञापन सौंपकर अपनी समस्याओं से अवगत कराया। धरने की अगुवाई जिला अध्यक्ष अमर सिंह और तहसील अध्यक्ष अनिल सहू के नेतृत्व में की गई। पटवार संघ की मुख्य मांगों में गिरदावरी एप्प में किए गए संशोधनों की मांग प्रमुख रही। संघ ने ज्ञापन में कहा कि गिरदावरी कार्य केवल पटवारी द्वारा ही किया जा सके, इसके लिए आवश्यक संशोधन किए जाएं। इसके साथ ही पटवार संघ ने सर्वेयर की नियुक्ति का विरोध किया और कहा कि पटवारी द्वारा सर्वेयर की नियुक्ति नहीं की जानी चाहिए।

भामसं के अधिवेशन में राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानने पर बल

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। भारतीय मजदूर संघ, श्रीगंगानगर का जिला अधिवेशन 15 जनवरी, बुधवार को जवाहर नगर तहसील के समीप स्थित मुकेश ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। जिला मंत्री राजीव वर्मा ने बताया कि भारतीय मजदूर संघ के 70 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में हुए इस जिला अधिवेशन के मुख्य अतिथि श्रीयादे माटी कला बोर्ड राजस्थान सरकार अध्यक्ष (राज्य मंत्री) प्रहलाद राय टाक, विशिष्ट अतिथि प्रदेश संगठन मंत्री गोविंद जोशी व नगर विकास न्यास पूर्व अध्यक्ष संजय महिपाल तथा मुख्य वक्ता जोधपुर-बीकानेर संभाग के संभाग प्रभारी (असंगठित) गौरीशंकर व्यास थे। श्रीगंगानगर जिला प्रभारी और असंगठित क्षेत्र भवन निर्माण एवं मिड डे मील के प्रदेश प्रभारी बृजमोहन

पिथाणी ने जिला अधिवेशन का उद्घाटन किया एवं स्वागताध्यक्ष जिला संघचालक अमरचंद बोरड़ ने सबका स्वागत-अभिनंदन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष कुलविन्द्र सिंह ग्रेवाल ने की। सर्वप्रथम ध्वज वंदना की गई तथा महापुरुषों के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए वक्ताओं ने भारतीय मजदूर संघ की विचारधारा की बात करते हुए कहा कि भारतीय मजदूर संघ राष्ट्र की सोच रखकर चलने वाला संगठन है। संगठन की विचारधारा राष्ट्रवाद को पोषित करने वाली है। मुख्य वक्ता जोधपुर-बीकानेर संभाग के संभाग प्रभारी (असंगठित) गौरीशंकर व्यास ने कहा कि भारतीय मजदूर संघ राष्ट्र की सोच रखने वाला संगठन है। हमारे यहां अपनी मांगों से ज्यादा राष्ट्र को ध्यान में रखकर काम किया जाता है। हमारा संगठन विचारधारा का संगठन है। हमें राष्ट्र के विचार को आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि कुछ संगठनों में मांगों पर बहुत बल दिया जाता है। उनकी प्राथमिकता राष्ट्र से ज्यादा अपनी मांग पूरी करने की रहती है, लेकिन हमें यह समझना होगा कि राष्ट्र नहीं रहा तो क्या उद्योग रह सकेंगे। प्रथम सत्र में श्रमिकों को केंद्र व राज्य सरकार की श्रमिक कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

द्वितीय सत्र में वर्तमान कार्यसमिति भंग कर गोविन्द जोशी की अध्यक्षता में सर्वसम्मति से नई कार्यसमिति का गठन किया गया। नवगठित कार्यकारिणी में संरक्षक श्रवण सिंह व मलखान सिंह, अध्यक्ष कुलविन्द्र ग्रेवाल, का. अध्यक्ष मंजू स्वामी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जीपी सिंह अरनेजा, उपाध्यक्ष मदन बरावड़, राकेश, रवि तरड़, मुकेश वधवा, गुरमीत सिंह व अवतार सिंह, जिला मंत्री राजीव वर्मा, संयुक्त मंत्री अशोक कासनियां, सह मंत्री राकेश, अंग्रेज सिंह, वीर सिंह, सुनीता बिश्नोई, छिन्द्रपाल व सुनील कुमार, संगठन मंत्री बुधराम यादव, कोषाध्यक्ष दयानंद वर्मा, प्रचार मंत्री अनिल गेदर, कार्यालय मंत्री हरिकृष्ण यादव तथा कार्यकारिणी सदस्य हेमराज, बलौर सिंह, गोपी झटवाल, विनोद घोड़ेला, इन्द्राज सोखल, संजय, दौलतराम, सानू व इन्द्राज को बनाया गया है।

जिला जाट समिति के रणवा नए अध्यक्ष नियुक्ति

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। जिला जाट समिति की आम सभा की बैठक मंगलवार को स्थानीय धर्मशाला में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता समिति के निवर्तमान अध्यक्ष जोतराम नोजल ने की। बैठक में समिति के पिछले चार वर्षों के कार्यों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया और आगामी योजनाओं पर चर्चा की गई। बैठक के दौरान जोतराम नोजल ने अपने कार्यकाल के दौरान समिति द्वारा किए गए विभिन्न सामाजिक और विकासात्मक कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि पिछले चार वर्षों में समिति ने शिक्षा, स्वास्थ्य, और समाज कल्याण के क्षेत्र में कई उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि समिति ने कमजोर वर्गों की सहायता, मेधावी विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति, और सामुदायिक भवनों के निर्माण में अहम भूमिका निभाई। हालांकि, जोतराम नोजल ने व्यक्तिगत कारणों से अध्यक्ष पद पर आगे काम करने में असमर्थता जताई। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए गर्व और संतोष की बात है कि वे इस पद पर रहते हुए समाज की सेवा कर सके।

शेषांश...

श्रीगंगानगर जिला पुलिस...

से श्रीकरणपुर, कालूराम को अनूपगढ़ से विजयनगर, लालचंद को जैतसर से अनूपगढ़, मंशाराम को सूरतगढ़ शहर से चूनावढ़, मनीराम को लालगढ़ से सादुलशहर, महेन्द्र सिंह को सूरतगढ़ शहर से चूनावढ़, महेन्द्र कुमार को पदमपुर से पुरानी आबादी, नूर मोहम्मद को घमूड़वाली से राजियासर, प्रमोद कुमार को पुरालनी आबादी से रायसिंहनगर, राजेश कुमार को पदमपुर से मटीलीराठान, रतिराम को चौकी टाउन कोतवाली से लालगढ़, रामप्रताप को गजसिंहपुर से सादुलशहर, राजेन्द्र प्रसाद को श्रीगंगानगर सदर से यातायात शाखा श्रीगंगानगर, राजसिंह को सूचना का अधिकार से अपराध शाखा, राकेश कुमार को केसरीसिंहपुर से चौकी गणेशगढ़ थाना लालगढ़, रमेश कुमार को कार्यालय उप.पु.अधी. एससी/एसटी सैल श्रीगंगानगर से वृत्त कार्यालय शहर, राजाराम को चौकी अरायण थाना केसरीसिंहपुर से कार्यालय उप पुलिस अधीक्षक यातायात, रामावतार सिंह को राजियासर से सादुलशहर, रमेश चन्द्र को चौकी गणेशगढ़ से कोतवाली, रोहिताशको चौकी बिरधवाल थाना राजियासर से विजयनगर, राजकुमार को जवाहरनगर से सूरतगढ़ सदर, रणवीर सिंह को पदमपुर से सादुलशहर, रामनिरंजन को कोतवाली से पुलिस लाइन, राजकुमार को पुलिस लाइन हाल थाना हिंदूमलकोट से जवाहनगर, रिशपाल को पुलिस लाइन से कार्यालय अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनूपगढ़, राजेन्द्र कुमार को अनूपगढ़ से पदमपुर, रामकेर को अनूपगढ़ से पुरानी आबादी, राजेन्द्र प्रसाद को घड़साना से अपराध शाखा, शिवलाल को पुलिस लाइन से सूरतगढ़ शहर, सुभाष चन्द्र मीणा को थाना करणपुर हाल पुलिस लाइन से कोतवाली, सरजीत सिंह को पुरानी आबादी से पदमपुर, सत्यप्रकाश को हिंदूमलकोट से श्रीगंगानगर सदर, सोहनलाल को चूनावढ़ से केसरीसिंहपुर, सज्जन कुमार को घड़साना से राजियासर, सुभाष को रायसिंहनगर से समेजा कोठी, सहीराम को विजयनगर से रावला, ताराचंद को मटीलीराठान से सूरतगढ़ शहर, तुलसीराम को पुलिस लाइन से अनूपगढ़, वेदपाल को पुलिस लाइन से जैतसर, विनोद कुमार को रायसिंहनगर से समेजा कोठी व यशपाल को यातायात रायसिंहनगर हाल यातायात अनूपगढ़ से चौकी रोजड़ी में लगाया गया है।

एससी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष कैलाश मेघवाल का जन्मदिवस मनाया

सेवा प्रकल्पों के तहत गो सेवा के साथ-साथ जरूरतमंदों को फलों का किया वितरण : सुशील अरोड़ा

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल पश्चिम क्षेत्र, श्रीगंगानगर पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं द्वारा बुधवार को भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष कैलाश मेघवाल के जन्मदिवस पर अनेक सेवा प्रकल्पों का आयोजन किया गया। भाजपा नगर मंडल पश्चिम क्षेत्र अध्यक्ष सुशील अरोड़ा ने बताया कि सेवा कार्यों के तहत सर्वप्रथम भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा पदमपुर रोड स्थित गौशाला में गौवंश को हरा चारा, तुड़ी व गुड़ खिलाया गया। तत्पश्चात् जरूरतमंदों को फलों का वितरण किया गया। इसके बाद मंदिर में ईश्वर से भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष कैलाश मेघवाल की दीर्घायु तथा उत्तम स्वास्थ्य व उज्वल भविष्य की कामना की गई। कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया। मण्डल अध्यक्ष सुशील अरोड़ा ने एससी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष कैलाश मेघवाल के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में संगठन का जनाधार बढ़ा है तथा सक्रिय प्रचार-प्रसार से केन्द्र की लोकप्रिय नरेन्द्र मोदी तथा राज्य की लोकप्रिय भजनलाल शर्मा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से अनुसूचित जाति सहित प्रत्येक वर्ग लाभान्वित हो रहा है। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष सुशील अरोड़ा, भाजपा नेता श्रीचंद चौधरी, गोरी माई, छगन बलाना, श्रवण चावला, यशपाल चौहान, मण्डल महामंत्री नवल शर्मा, रिंकू सिंह, उपाध्यक्ष मुकेश मक्कड़, संतोष गुप्ता, कमल भारद्वाज, नवीन मदान, जेपी गोरी, मनोज नायक, मांगीराज बायड़, सेम कालड़ा, तनु मोंगा, अनवर अली, सूरज सोनी, विक्रम सिंह, विशाखा सिंह, कृष्ण रामगढ़िया, अशोक मुरली, निहाल सिंह, टीनू स्वामी, मुकेश चन्देल, रमेश नायक, अमित वाल्मीकि, विजय भाटिया, शंकर सिंह, राहुल राणा, प्रिंस, कोकी मनदीप, सुनील नायक, गुरप्रीत सिंह, अमित कुमार, मंगा सिंह, रवि गौड़, हिम्मत चौहान, शंकर सिंह, लक्ष्य चौहान, करणी सिंह, शक्ति सिंह, विजय सिंह, बबलू गोस्वामी सहित बड़ी संख्या में भाजपा नगर मण्डल पश्चिम क्षेत्र कार्यकर्ता उपस्थित थे।

श्रीगंगानगर के एस्ट्रोलॉजर सत्यशिवम गोयल को उज्जैन में मिला गोल्ड मेडल

विक्रम विश्वविद्यालय में कुलगुरु कुलपति भारद्वाज ने दिया

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। शहर के एस्ट्रोलॉजर शिवम गोयल को गत दिवस उज्जैन में हुए समारोह में कुलगुरु कुलपति अर्पण भारद्वाज जी, डॉ. रमन सुलखी जी, डॉ. सावसवेर शर्मा जी, डॉ. ऋष्ट. ठाकुर जी और डॉ. प्रियंका चौबे जी से उनकी उपलब्धियों के मद्देनजर गोल्ड मैडल मिला। गौरतलब है कि शिवम गोयल के गुरु एवं दादा जी दिवंगत एडवोकेट सत्यप्रकाश गोयल जी भी ज्योतिषी में गोल्ड मैडलिस्ट रह चुके है। समाजसेवी अशोक कुमार गोयल के पुत्र एवं सी ए राघव गोयल के भाई शिवम गोयल की एस्ट्रोलॉजर के रूप में पूरे देश में विशिष्ट पहचान है। पूर्व में शिवम गोयल बॉलीवुड एक्ट्रेस शहनाज पद्मसी के हाथों से बेस्ट एस्ट्रोलॉजर अवार्ड प्राप्त कर चुके हैं, बॉलीवुड एक्ट्रेस सुधा चंदा के हाथो भी बेस्ट हस्तरेखा अवार्ड भी प्राप्त कर चुके है। इन्हें अनेक अन्य पुरस्कार भी हासिल हो चुके हैं, गोयल की ज्योतिष के क्षेत्र में विशिष्ट पहचान है।

ऑल इंडिया अरोड़ा खत्री पंजाबी कम्युनिटी राजस्थान प्रदेश में नियुक्तियां

सिमरजीत मरवाह प्रदेश महासचिव, हरजीत मिगलानी प्रदेश सचिव तथा तुलसी मिड्ढा प्रदेश कोषाध्यक्ष बने

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। अखिल भारतीय संगठन ऑल इंडिया अरोड़ा खत्री पंजाबी कम्युनिटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सूर्यवंशी साहिब दयाल वधवा ने संस्थापक सूर्यवंशी कमल हांडा से विचार-विमर्श करके राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष सूर्यवंशी रजनेश बहल की अनुशंसा एवं राष्ट्रीय महासचिव सूर्यवंशी ज्योति कमल हांडा के अनुमोदन पर प्रदेश कार्यकारिणी में पदाधिकारियों की नियुक्ति की है। प्रदेशाध्यक्ष सूर्यवंशी रजनेश बहल ने बताया कि श्रीगंगानगर निवासी एवं निवर्तमान जिला महासचिव सूर्यवंशी सिमरजीत मरवाहा को उनकी संगठन के प्रति लग्न, मेहनत, समर्पण एवं कर्मठता को देखते हुए ऑल इंडिया अरोड़ा खत्री पंजाबी कम्युनिटी के राजस्थान राज्य के प्रदेश महासचिव, गजसिंहपुर निवासी सूर्यवंशी हरजीत मिगलानी 'हैप्पी' को प्रदेश सचिव तथा श्रीगंगानगर निवासी सूर्यवंशी तुलसी दास मिड्ढा को प्रदेश कोषाध्यक्ष का महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है। उल्लेखनीय है कि उक्त पदाधिकारी अनेक सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं से जुड़े हुए हैं तथा सामाजिक सरोकारों में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं।

नवनियुक्त प्रदेश महासचिव सूर्यवंशी सिमरजीत मरवाहा, प्रदेश सचिव सूर्यवंशी हरजीत मिगलानी तथा प्रदेश कोषाध्यक्ष सूर्यवंशी तुलसीदास मिड्ढा ने महत्वपूर्ण पदभार सौंपने पर संगठन के संस्थापक सूर्यवंशी कमल हांडा, राष्ट्रीय अध्यक्ष सूर्यवंशी साहिबदयाल वधवा, राष्ट्रीय महासचिव सूर्यवंशी ज्योति कमल हांडा तथा राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष सूर्यवंशी रजनेश बहल का आभार जताते हुए पूर्व से और अधिक सक्रिय होकर समाज के सर्वांगीण उत्थान के लिए कार्य करने तथा एक नई ऊर्जा, जोश व उत्साह के साथ कार्य करते हुए संगठन की मजबूती में अपना बढ़-चढ़कर योगदान देने का विश्वास दिलाया है।

101 बेटियों के साथ मकर संक्रांति का त्यौहार मनाया

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। लॉयन्स क्लब हनुमानगढ़ सिटी द्वारा बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ मुहिम के अंतर्गत आज मकर संक्रांति के अवसर पर 101 बेटियों के साथ मकर संक्रांति का त्यौहार मनाया । लॉयन्स क्लब के कोषाध्यक्ष योगेश गुप्ता ने बताया आज मकर संक्रांति पर लॉयन्स क्लब हनुमानगढ़ सिटी के सदस्य हरीश जगवानी के बेटे कृष जगबानी के जन्मदिन के उपलक्ष में हरीश जगवानी ने बेटियों के साथ त्यौहार बनाने की क्लब के अध्यक्ष वीरेंद्र सिंगल के आगे इच्छा जाहिर की तो रविंद्र सिंगला ने तुरन्त उनका साथ देते हुए कहा कि ऐसी सेवा कार्य के लिए तो लॉयन्स हमेशा तैयार रहता है, बेटियों की सेवा तो हमारे क्लब का परम धर्म है, लॉयन्स क्लब सदस्य मनोज सिंगला ने बताया कि अपने परिवार के साथ तो हर बार लोहड़ी और मकर संक्रांति का त्यौहार मनाते हैं, लेकिन इस बार जो आनंद बेटियों के साथ मनाने में आया ऐसा आनंद आज से पहले कभी भी अनुभव नहीं किया।

राजस्थान शिक्षक संघ (शेखावत) का प्रान्तीय शैक्षिक महाकुंभ कल से शुरू

❑ नई धानमंडी में उमड़ेगा प्रदेश भर से हजारों शिक्षकों का सैलाब

श्रीगंगानगर। राजस्थान शिक्षक संघ (शेखावत) का 61वां प्रान्तीय शैक्षिक महाकुंभ कल शुक्रवार प्रातः 11 बजे नई धानमण्डी में शुरू होगा, जिसकी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा चुका है। संगठन की ओर से सम्मेलन के लाईव प्रसारण की व्यवस्था की गई है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सीकर सांसद कामरेड अमराराम एवं अनूपगढ़ विधायक शिमला नायक होंगी। सम्मेलन की अध्यक्षता संगठन के प्रदेशाध्यक्ष महावीर सिहाग करेंगे। इनके अलावा विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीगंगानगर विधायक जयदीप बिहाणी, पूर्व विधायक राजकुमार गौड़, पूर्व विधायक कामरेड बलवान पूनिया, एसटीआईएफ के राष्ट्रीय महासचिव सी.एन. भारती, माकपा के जिला सचिव वकील सिंह, पूर्व प्राचार्य चन्द्रभानु त्यागी, पूर्व सभापति नगर परिषद श्रीमती करूणा चाण्डक उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता देश के जाने-माने चिंतक भारत जोड़ो आंदोलन के राष्ट्रीय संयोजक प्रो. योगेन्द्र यादव होंगे। राजस्थान शिक्षक संघ (शेखावत) के प्रदेश महामंत्री उपेन्द्र शर्मा ने बताया कि सम्मेलन में नई शिक्षा नीति-2020, शिक्षकों और कर्मचारियों की पैंशन के लिए घातक पीएफआरडीए बिल, शिक्षकों के स्थानान्तरण आदि बिन्दूओं पर विस्तार से मंथन किया जायेगा। सम्मेलन के संयोजक भूप सिंह कूकणा व प्रान्तीय कोषाध्यक्ष राधेश्याम यादव ने बताया कि इस दौरान संघर्ष समिति के संयोजक पोखर मल, महामंत्री उपेन्द्र शर्मा, श्रवण थालोड़ आदि वरिष्ठ नेता भी अपना उद्बोधन देंगे।

भाखड़ा नहर में 1200 क्यूसेक पानी की मांग को लेकर किसानों का महापड़ाव

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। भाखड़ा नहर में 1200 क्यूसेक पानी की मांग को लेकर भाखड़ा क्षेत्र के किसानों ने मंगलवार को जिला कलेक्ट्रेट पर महापड़ाव डाला। महापड़ाव में हजारों किसान गोलूवाला, पीलीबंगा, सादुलशहर, संगरिया, चिश्तिया, केंचिया, और मटीली जैसे क्षेत्रों से एकत्रित होकर विरोध प्रदर्शन करने पहुंचे। किसानों का कहना है कि उनकी फसलें पानी के अभाव में बर्बाद हो रही हैं और सरकार उनकी समस्याओं की अनदेखी कर रही है।

महापड़ाव के दौरान वक्ताओं ने सरकार और प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि हर बार किसानों को पानी के लिए आंदोलन करना पड़ता है और जब तक आंदोलन तेज नहीं होता, तब तक प्रशासन उनकी मांगों पर ध्यान नहीं देता। वक्ताओं ने सरकार पर किसानों को उजाड़ने की साजिश रचने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह रवैया अस्वीकार्य है।

वक्ताओं ने कहा कि किसानों की फसलें पानी के बिना बर्बाद हो रही हैं और सरकार किसानों की समस्याओं के प्रति उदासीन है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसानों को जल्द पानी उपलब्ध नहीं कराया गया, तो उनका आंदोलन और तेज होगा।

वक्ताओं ने कहा कि किसानों और आम जनता ने पहले ही लोकसभा चुनाव में सत्तारूढ़ सरकार को उसकी जनविरोधी नीतियों का जवाब दे दिया है। अब ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार किसानों के खिलाफ अपना गुस्सा निकाल रही है। उन्होंने कहा कि हनुमानगढ़ का किसान अब जागरूक और एकजुट है। वे डरने वाले नहीं हैं और अपने अधिकारों की लड़ाई में किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं।

महापड़ाव के दौरान किसानों के प्रतिनिधिमंडल और प्रशासन के बीच वार्ता का पहला दौर विफल रहा। किसानों ने प्रशासन पर उनकी मांगों को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। समाचार लिखे जाने तक दूसरे दौर की वार्ता विफल रहा । किसानों ने कहा कि वे पानी की समस्या का स्थायी समाधान चाहते हैं, और बिना 1200 क्यूसेक पानी की आपूर्ति के महापड़ाव समाप्त नहीं करेंगे।

इस मौके पर बीकेयू श्रीगंगानगर जिलाध्यक्ष संदीप सिंह, हनुमानगढ़ जिलाध्यक्ष रेशम सिंह मानुका, विधायक अभिमन्यु पूनिया, जगमीत सिंह, बाबू सिंह, राजवीर ढिल्लो, जगतार सिंह, कश्मीर सिंह, पाला राम, राज मान, और प्रह्लाद नोजल ने भी किसानों को संबोधित किया। नेताओं ने किसानों को एकजुट रहने और संघर्ष जारी रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि किसानों के इस आंदोलन से सरकार को उनके हक की आवाज सुननी ही पड़ेगी।

किसानों ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो वे बड़े पैमाने पर आंदोलन करेंगे। प्रदर्शनकारी किसानों ने कहा कि सरकार और प्रशासन का यह रवैया किसानों के प्रति अन्यायपूर्ण है और इसे सहन नहीं किया जाएगा। किसानों ने यह भी कहा कि पानी उनके जीवन का आधार है और इसे लेकर वे किसी भी स्तर तक संघर्ष करेंगे। भाखड़ा नहर क्षेत्र में पानी की समस्या लंबे समय से बनी हुई है। किसानों का कहना है कि नहरों में पानी का वितरण सही ढंग से नहीं किया जा रहा है, जिससे उनकी फसलें सूख रही हैं। सरकार और प्रशासन इस समस्या का स्थायी समाधान निकालने में विफल रहे हैं। महापड़ाव में विभिन्न गांवों और क्षेत्रों के किसानों की भागीदारी ने यह स्पष्ट कर दिया कि किसान इस बार अपने अधिकारों को लेकर गंभीर हैं। हजारों किसानों की मौजूदगी ने प्रशासन और सरकार पर दबाव बना दिया है।

झुंझुनूं में होगा सियाराम संघ का सम्मेलन

श्रीगंगानगर (जनमार्ग न्यूज)। राजस्थान शिक्षक संघ सियाराम जिला शाखा श्रीगंगानगर श्रीगंगानगर व समस्त ब्लॉक शाखाओं की एक बैठक दिनाँक 15 जनवरी 2025 शाम 5 बजे विद्यालय न. 4 में रखी गई, जिसमें वर्तमान में शिक्षकों को आ रही समस्याओं पर विचार विमर्श किया गया। माध्यमिक शिक्षा अध्यक्ष प्रवीण गौड़ ने बताया कि बैठक में राजस्थान शिक्षक संघ सियाराम का प्रदेश स्?तरीय शिक्षक सम्मेलन जिला झुंझुनूं में 17 व 18 जनवरी को आयोजित किया जा रहा है। जिसमें संघ से जुड़े सभी शिक्षकों को सम्मेलन में शामिल होने के लिये प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि श्रीगंगानगर व अनुपगढ़ से दिनाँक 16 जनवरी को बड़ी संख्या में शिक्षक सम्मेलन में भाग लेने हेतु श्रीगंगानगर से शाम को रवाना होंगे तथा दो दिवसीय अधिवेशन में भाग लेकर शिक्षक व शिक्षार्थी की समस्याओं पर मंथन करेंगे। इन समस्याओं को राज्य सरकार को ज्ञापन के माध्यम से इनका समाधान करने के लिए सरकार अवगत कराया जाएगा। बैठक में जिला स्तर पर शिक्षकों को आ रही समस्याओं पर भी विचार विमर्श किया गया। बैठक में प्रवीण गौड़, जिलाध्यक्ष हरीश खत्री, जिला मंत्री मलकीत सिंह, जिला कोषाध्यक्ष नरेश विनोचा, जिला प्रवक्ता भूपेंद्र कुमार स्वामी, कार्यकारी अध्यक्ष गुरीराम, राजेश मोहन जसूजा, हरीश कटारिया, राकेश कुमार बवेजा, संतवीर बिश्नोई, नीतू शर्मा, अमरलाल आदि सदस्य उपस्थित रहे।

ठिठुरते ठंड में 100 जरूरतमंदों को कंबल वितरित

❑ एडीएम उम्मेदीलाल मीणा और प्राइवेट कॉलेज एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष तरुण विजय सहित अन्य लोगों ने पहुंचाई राहत

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। ठण्ड से ठिठुरते लोगों को तन ढकने के लिए कंबल मिले तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं था। अतिरिक्त जिला कलक्टर उम्मेदीलाल मीणा, प्राइवेट कॉलेज एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष तरुण विजय, बैंक मैनेजर गोपाल निमिवाल, बाल कल्याण समिति सदस्य विजय सिंह चौहान, पार्षद प्रतिनिधि मनोज बड़सीवाल, रामेश्वर चांवरिया व आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल के डायरेक्टर रामस्वरूप भाटी आदि ने जिला मुख्यालय स्थित जंक्शन स्टेशन पर करीब 100 जरूरतमंदों को कंबल भेंट किए और उन्हें खाद्य सामग्री भी दीं। अतिरिक्त जिला कलक्टर उम्मेदीलाल मीणा ने कहाकि मानवता से बढ़ा कोई धर्म नहीं है। नर सेवा नारायण सेवा के बराबर है। अगर हम एक-दूसरे की पीड़ा को महसूस कर उसका निवारण करने में जुट जाएं तो समाज में कोई दु:खी नहीं रहेगा। उन्होंने जरूरतमंदों की सहायता को मनुष्य का दायित्व बताया।

प्राइवेट कॉलेज एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष तरुण विजय ने कहाकि कड़ाके की ठण्ड में जरूरतमंदों को राहत पहुंचाने के लिए यह छोटा सा प्रयास है। समय-समय पर इस तरह के प्रयासों की जरूरत है। अगर सबमें इस भाव का बोध हो जाए तो समाज समृद्ध हो जाएगा। तरुण विजय ने कहाकि कंबल वितरण से जरूरतमंद परिवारों को ठिठुरते ठंड से राहत महसूस होगी।

बैंक मैनेजर गोपाल निमिवाल ने कहाकि हर कोई अपने लिए जीता है, अपने परिवार के लिए प्रयासरत रहता है। अपनी आमदनी का छोटा हिस्सा अगर जरूरतमंदों के लिए रखना शुरू कर दे तो समाज की दशा में बदलाव संभव है। उन्होंने एडीएम उम्मेदीलाल मीणा और प्राइवेट कॉलेज एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष तरुण विजय का आभार जताया।

बाल कल्याण समिति सदस्य विजय सिंह चौहान ने कहाकि जरूरतमंद परिवारों के बच्चों की दशा अच्छी नहीं है। बाल कल्याण समिति अक्सर समाजसेवियो को प्रेरित करती रहती है ताकि इनकी स्थिति मजबूत हो सके। पार्षद प्रतिनिधि मनोज बड़सीवाल ने इस तरह के प्रयासों की सराहना करते हुए कहाकि एडीएम उम्मेदीलाल मीणा और पार्षद तरुण विजय सेवाभावी व्यक्तित्व के स्वामी हैं। इस तरह के सहयोगी रुख बनाए रखने की जरूरत है। रामेश्वर चांवरिया और रामस्वरूप भाटी ने भी नर सेवा नारायण सेवा की नीति को अपनाने पर जोर देते हुए कहाकि सच्ची सेवा यही है। जिसका पेट भरा हो, उसे भोजन देने से कोई फायदा नहीं। इसलिए जरूरतमंदों को राहत पहुंचाने से ही राहत मिलेगी।

विशेष शिक्षक संघ का सम्मेलन श्रीगंगानगर में होगा

श्रीगंगानगर (जनमार्ग न्यूज)। अखिल राजस्थान विशेष शिक्षक संघ का प्रदेश स्तरीय शैक्षिक अधिवेशन 17 जनवरी 2025 को श्रीगंगानगर में आयोजित किया जा रहा है। इस संबंध में संगठन की एक बैठक श्री स्वामी समाज धर्मशाला में आयोजित की गई जिसमें विशेष शिक्षा क्षेत्र एवं शिक्षकों की समस्याओं पर विचार विमर्श किया गया। प्रदेशाध्यक्ष भूपेंद्र कुमार स्वामी ने बताया कि अखिल राजस्थान विशेष शिक्षक संघ का प्रदेश स्?तरीय शैक्षिक अधिवेशन दिनाँक 17 जनवरी 2025 को श्री स्वामी समाज सभा के मीरां चौक स्थित छात्रावास स्थित हॉल में आयोजित किया जा रहा है। इस बैठक में संघ के प्रदेश स्?तरीय शैक्षिक अधिवेशन की विभिन्न व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। जिसमें संगठन से जुड़े सभी विशेष शिक्षकों को सम्मेलन में शामिल होने के लिये प्रेरित किया गया। जिलाध्यक्ष विनोद कुमार ने बताया कि श्रीगंगानगर सहित प्रदेश के सभी जिलों में कार्यरत विशेष शिक्षक बड़ी संख्या में इस शैक्षिक सम्मेलन में भाग लेने हेतु श्रीगंगानगर पहुंच रहे हैं तथा एक दिवसीय अधिवेशन में भाग लेकर विशेष शिक्षा क्षेत्र, विशेष शिक्षक तथा विशेष आवश्यकता वाले बालक बालिकाओं को शिक्षण मेंआ रही समस्याओं पर मंथन करेंगे। इन समस्याओं को राज्य सरकार को ज्ञापन के माध्यम से इनका समाधान करने के लिए राज्य सरकार को अवगत कराया जाएगा। सभी विशेष शिक्षक 18 जनवरी को सामान्य शिक्षक संगठनों द्वारा आयोजित सम्मेलन में शामिल होंगे। बैठक में प्रदेशाध्यक्ष भूपेंद्र कुमार स्वामी, जिलाध्यक्ष विनोद कुमार, जिला महामंत्री गुरतेज सिंह, जिला कोषाध्यक्ष करणसिंह, जिला प्रवक्ता ब्रजेश पूनिया, सभाध्यक्ष राकेश कुमार सुथार, धर्मपाल सिंह, अमित कुमार, गुरशरण सिंह आदि सदस्य उपस्थित रहे।

एमपी में भाजपा के 15 और जिला अध्यक्ष घोषित

भोपाल (जनमार्ग न्यूज)। मध्यप्रदेश में भाजपा ने 15 और जिलों के लिए जिला अध्यक्षों के नामों का ऐलान किया है। भाजपा इससे पहले तीन बार में 32 जिला अध्यक्षों के नाम जारी कर चुकी है। अब तक कुल मिलाकर 47 जिला अध्यक्ष घोषित हो चुके हैं। बता दें कि भाजपा 62 संगठनात्मक जिलों के अध्यक्षों की घोषणा कर रही है। इस लिहाज से 15 जिलों की घोषणा अभी भी बाकी है। बुधवार को की गई 15 जिलों के अध्यक्ष की घोषणा में 5 जिलों के अध्यक्ष रिपीट किए गए हैं।

बाबा रामदेव सामाजिक समरसता यात्रा का श्रीगंगानगर में समापन

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। श्रीगंगानगर विभाग की सामाजिक समरसता यात्रा श्रीगंगानगर शहर में सम्पन्न हुई। 7 जनवरी को घड़साना से आरम्भ हुई इस यात्रा ने विभाग के सूरतगढ़, हनुमानगढ़ और गंगानगर जिलों के विभिन्न गांवों, कस्बों व नगरों में भ्रमण किया तथा हिंदू समाज को एकता के सूत्र में बंधकर सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करने का आह्वान किया। यात्रा में शामिल रथ में बाबा रामदेव जी की ज्योत व विग्रह के दर्शनों हेतु जनमानस उमड़ पड़ा। जगह-जगह जनमानस ने यात्रा का भव्य स्वागत व अभिनंदन किया। कई स्थानों पर युवाओं ने मोटरसाइकिल रैली व मातृशक्ति ने मंगळ कलश यात्रा निकालकर इस यात्रा का बधावणा किया। यात्रा के दौरान आयोजित जनसभाओं को पूज्य संतों सहित विश्व हिंदू परिषद के प्रांत, विभाग व जिला पदाधिकारियों और विचार परिवार के वक्ताओं ने संबोधित कर वर्तमान में हिंदू समाज को तोड़ने वाली शक्तियों से सावधान रहने और सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करने पर बल दिया। चितलांगिया धर्मशाला, बाबा रामदेवजी मन्दिर में आयोजित समारोप कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विहिप राजस्थान क्षेत्र संगठन मंत्री राजाराम जी भाई साहब ने समरसता को हिंदू संस्कृति का आधार बताया। उन्होंने कहा विदेशी हमलावरों ने सनातन धर्म और संस्कृति को नष्ट करने के कई प्रयास किए, लेकिन हमारे हृदय में अनंत काल से विद्यमान एकता, समभाव और समरसता के कारण वे असफल रहे। आज देश विरोधी ताकतें फिर से हिंदू समाज को विभाजित करने के प्रयास कर रही हैं। हमें बाबा रामदेव जी के विचारों को अपनाकर एकता को सुदृढ़ करना होगा और भेदभाव व छुआछूत जैसे कुविचारों से बाहर निकलना होगा। उन्होंने समाज को चेताया कि अश्पृश्यता पाप है और जात-पात का भेद ईश्वर को भी स्वीकार नहीं। इस कार्यक्रम में पूज्य संत धिरानंद जी महाराज, निजानंद जी महाराज, जत्थेदार बाबा हरपाल सिंह जी, प्रांत सह मंत्री महेंद्र सिंह जी राजपुरोहित, विभाग प्रचारक रघुवीर जी, धर्म प्रसार विभाग प्रमुख इंद्रजीत जी नांदिवाल, जिलाध्यक्ष उमाशंकर जी मित्तल, जिला मंत्री नरेश जी, समाजसेवी मूलचंद जी गेरा, आशाराम जी डाबी संरक्षक जीनगर समाज, वाल्मीकि समाज अध्यक्ष विजय जी, किशोरीलाल जी सिवान, सरदार लखवीर सिंह जी लख्खा सहित सर्व समाजों के अध्यक्ष, व्यापार मंडल, उधोग जगत, महिला मंडल, नगर के समाजसेवी, गणमान्य व्यक्ति और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

आवारा पशुओं की सींगों पर रेडियम पेंट कर बनाया सड़क सुरक्षा सप्ताह

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। रोटरी क्लब हनुमानगढ़ सिटी के सदस्यों ने सड़क सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत एक अनूठी पहल करते हुए आवारा पशुओं की सींगों पर रेडियम पेंट लगाया। इस पहल का उद्देश्य रात के अंधेरे में सड़क दुर्घटनाओं को रोकना है। यह कार्यक्रम हनुमानगढ़ टाउन स्थित कोहला फार्म में आयोजित किया गया, जहां गोवंश के सींगों पर रेडियम पेंट लगाकर उन्हें सड़क पर अधिक सुरक्षित बनाने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व रोटरी क्लब के अध्यक्ष आदित्य गुप्ता ने किया। उन्होंने बताया कि सड़क दुर्घटनाएं अक्सर रात के समय होती हैं, जब आवारा पशु अचानक सड़क पर आ जाते हैं। अंधेरे में इन पशुओं को वाहन चालकों द्वारा देखा नहीं जा सकता, जिससे टकराने की संभावना बढ़ जाती है। रेडियम पेंट का उपयोग इस समस्या का एक सरल और प्रभावी समाधान है। रेडियम पेंट की विशेषता यह है कि यह अंधेरे में चमकता है, जिससे वाहन चालक दूर से ही पशुओं को देख सकते हैं और सतर्क हो सकते हैं। आदित्य गुप्ता ने कहा, ष्इस पहल का मुख्य उद्देश्य सड़कों पर होने वाली दुर्घटनाओं को कम करना है। यह प्रोजेक्ट न केवल वाहन चालकों की सुरक्षा सुनिश्चित करता है, बल्कि आवारा पशुओं के जीवन की रक्षा करने का भी एक प्रयास है।ष इस कार्यक्रम के दौरान क्लब के अन्य सदस्य भी सक्रिय रूप से जुड़े। उन्होंने फार्म में मौजूद कई गोवंश के सींगों पर रेडियम पेंट लगाया। इस पहल में स्थानीय समुदाय का भी समर्थन मिला, जिन्होंने इस प्रयास की सराहना की। प्रोजेक्ट चैयरमैन डा. अरूण गुप्ता ने कहा कि यह पहल सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता फैलाने का भी एक माध्यम है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत क्लब का लक्ष्य अधिक से अधिक आवारा पशुओं को चिह्नित करना और उन्हें रेडियम पेंट लगाना है। साथ ही, उन्होंने जनता से अपील की कि वे सड़क पर चलाते समय सतर्क रहें और आवारा पशुओं का ध्यान रखें। सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत रोटरी क्लब हनुमानगढ़ सिटी का यह कदम एक अनुकरणीय प्रयास है, जो न केवल दुर्घटनाओं को कम करने में मदद करेगा, बल्कि अन्य शहरों और संस्थानों को भी इस दिशा में प्रेरित करेगा। इस कार्यक्रम में क्लब अध्यक्ष आदित्य गुप्ता, सचिव दिनेश कुमार, प्रोजेक्ट चेयरमैन डा. अरुण गुप्ता, कोषाध्यक्ष गोपी कृष्ण दाधीच, अमित गोयल. मानवेन्द्र सिंह, गुणसागर नागपाल, मनीष बंसल उपस्थित रहे.

विद्युत तकनीकी कर्मचारी संघ के संयुक्त तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। उर्जा मंत्री हीरालाल नागर के जन्मदिन के अवसर पर आज अतिरिक्त अभियंता कार्यालय, कॉलोनी रेस्ट हाउस, पुलिस लाइन मेन रोड पर रोटरी क्लब श्रीगंगानगर वाइब्रेंट और राजस्थान विद्युत तकनीकी कर्मचारी संघ के संयुक्त तत्वावधान में रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में रोटरी क्लब वाइब्रेंट के अध्यक्ष डॉ. दीपक चौधरी, सचिव राहुल धारनिया, फाउंडर चेयर इकबाल सिंह, उपाध्यक्ष हरमीत सिंह बैंस, मीडिया प्रभारी गौतम कक्कड़, कोषाध्यक्ष जयपाल शर्मा और रोटेरियन सुमित गोरा उपस्थित रहे। वहीं राजस्थान विद्युत तकनीकी कर्मचारी संघ से प्रदेश अध्यक्ष पार्थवी राज गुर्जर, प्रदेश पर्यवेक्षक लखवीर सिंह, जिला संरक्षक दीपक जैन और डस्ट अध्यक्ष लालचंद ताक ने भाग लिया।

इस शिविर में 165 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया, जिसे जरूरतमंदों की सहायता के लिए उपयोग किया जाएगा। विशेष धन्यवाद रुधिरा ब्लड बैंक और जन सेवा ब्लड बैंक को दिया गया, जिन्होंने इस आयोजन में अपना सहयोग दिया। दोनों ब्लड बैंकों ने यह भी वादा किया कि वे जरूरतमंदों को 30 प्रतिशत रक्त यूनिट मुफ्त में प्रदान करेंगे। इस अवसर पर रोटरी क्लब के अध्यक्ष डॉ. दीपक चौधरी ने कहा कि ऐसे आयोजन लोगों की जान बचाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

प्रमुख और विधायक ने किया एक करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। ग्राम पंचायत पन्नीवाली में ग्राम पंचायत द्वारा किये गये विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण व लोहड़ी स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। विकास कार्यो का लोकार्पण विधायक अभिमन्यु पूनिया जिला प्रमुख कविता मेघवाल, सरपंच सोनू चौपड़ा, जिला परिषद डायरेक्टर मनीष मक्कासर, अकाश धालीवाल द्वारा किया गया। सरपंच सोनू चोपड़ा द्वारा विद्यालय की चार दिवारी को लेकर रखी गई समस्या पर जिला प्रमुख कविता में मेघवाल ने जिला परिषद की ओर से विद्यालय की चारदीवारी करवाने ओर अन्य समस्याओं के लिए हमेशा सहयोग करने का आश्वासन दिया। विधायक अभिमन्यु पुनिया व जिला परिषद डायरेक्टर मनीष गोदारा मक्कासर ने सरपंच सोनू चोपड़ा द्वारा ग्राम पंचायत में करवाई गए विकास कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि कठिन परिस्थितियों का सामना करते हुए इस नौजवान सरपंच ने बहुत ही अच्छी सौगात ग्राम पंचायत दी है। नशे के प्रति जन जन तक जागरूकता का संदेश पहुंचाने वाले अकाश धालीवाल ने अपनी बात रखते हुए कहा कि हर प्रकार के नशे से समाज में आर्थिक, सामाजिक और शारीरिक नुकसान होता है, ओर आए दिन नशे से नौजवान युवाओं की मृत्यु हो रही है नशे पर अंकुश लगाने हेतु आमजन नागरिको आगे आना होगा और अपने आसपास समाज और गांव में नशे का धंधा करने वालों को प्रशासन तक पहुंचाने का काम करे !

जिला प्रमुख कविता मेघवाल, विधायक अभिमन्यु पूनिया, मनीष मक्कासर जिला परिषद सदस्य और ग्राम पंचायत पन्नीवाली सरपंच सोनू चोपड़ा द्वारा विद्यालय में दो कमरा मय बरामदा निर्माण कार्य, स्वच्छता एवं गंदे पानी की निकासी हेतु सीसी रोड में मय निर्माण कार्य सतनाम सिंह के घर से चरण सिंह के घर तक, गुरदेव सिंह के घर से प्रीतम सिंह के घर तक, शमशान भूमि से सतनाम सिंह रायसिक्ख के घर तक, सिकंदर सिंह के घर से 30 क पूर्व निर्मित खड़वंजा तक, नियाज खान के घर से 30 एनजीसी जोहड़ तक, स्वच्छता एवं गंदे पानी की निकासी हेतु नाला निर्माण मय सीमेंट पाइप 24 इंची का कार्य सतनाम के घर से चरण सिंह के खेत तक ओर चरण सिंह के खेत से जोहड़ की तरफ, स्वच्छता एवं गंदे पानी के निकासी हेतु वॉटर वर्क्स से जोहड़ तक पत्थर पाइपलाइन कार्य , 30 श्मशान घाट मे शवदाह ग्रह शेड मय सीसी ब्लॉक कार्य, चक 29 एनजीसी शमशान घाट में शेड निर्माण कार्य ओर सामुदायिक शौचालय जैसे लगभग एक करोड रुपए के कार्य का लोकार्पण किया गया।

भारतीय किसान संघ की बैठक में किसानों की समस्याओं पर चर्चा, ज्ञापन सौंपा

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। भारतीय किसान संघ की तहसील स्तरीय बैठक मंगलवार को जंक्शन स्थित किसान भवन में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संघ के गोपीराम बेनीवाल ने की, जिसमें किसानों की प्रमुख समस्याओं और उनके समाधान पर चर्चा की गई। बैठक में मुख्य रूप से एसएनएम माइनर के पुनर्निर्माण और भाखड़ा में 1250 क्यूसेक पानी की मांग को लेकर विचार-विमर्श किया गया। किसानों ने सिंचाई विभाग के चीफ इंजीनियर को ज्ञापन सौंपते हुए एसएनएम माइनर की खस्ता हालत को सुधारने की मांग की। ज्ञापन में बताया गया कि श्रीनगर माइनर, जो एचएमएच नहर से निकलती है, वर्तमान में जर्जर स्थिति में है। वर्षों पहले पक्की बनाई गई यह माइनर अब क्षतिग्रस्त हो चुकी है। इसमें कुल छह मोघे हैं, जिनमें से अधिकतर समय एचएमएच नहर के मोघे बंद रहने के कारण माइनर में पानी का ओवरफ्लो हो जाता है। इस स्थिति

में माइनर के टूटने का खतरा हमेशा बना रहता है, जिससे किसानों की फसल को नुकसान हो सकता है।

बैठक में जिला सहमंत्री रामेश्वर सुथार ने चर्चा करते हुए कहा कि गेंहू की फसल के दौरान बरसात का समय होता है, जिसके कारण पानी की खपत कम होती है। ऐसे में नहर के ओवरफ्लो से होने वाले नुकसान को रोकने के लिए माइनर की मरम्मत और पुनर्निर्माण आवश्यक है। किसानों ने इस मुद्दे पर त्वरित कार्रवाई की मांग की है।

इसके अलावा, बैठक में जिले में बढ़ रही नशे की समस्या पर भी चिंता व्यक्त की गई। किसानों ने कहा कि नशे का बढ़ता चलन ग्रामीण इलाकों में युवाओं को गुमराह कर रहा है। इस पर प्रभावी रोकथाम के लिए पुलिस प्रशासन को सख्त कदम उठाने की आवश्यकता है। संघ ने पुलिस प्रशासन को ज्ञापन सौंपते हुए जिले में नशे के अवैध कारोबार पर रोक लगाने के लिए सख्त कार्रवाई की मांग की। किसानों ने भाखड़ा नहर में 1250 क्यूसेक पानी की मांग करते हुए कहा कि वर्तमान में पानी की कमी के कारण फसलों की सिंचाई में परेशानी हो रही है। उन्होंने सरकार और सिंचाई विभाग से अपील की कि वे पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करें, ताकि किसानों को राहत मिल सके। बैठक के अंत में संघ ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द ध्यान नहीं दिया गया, तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। बैठक में बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे, जिन्होंने अपने हितों की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया।

इस मौके पर गोपी राम बेनीवाल, तहसील प्रभारी हरविंदर सिंह बोलावाली, हरविंदर बराड़, रामेश्वर सुथार, तहसील मंत्री पृथ्वीराज भादू, डबलीराठान अध्यक्ष हरफूल राम भादू, सतपाल भाम्भू, उपाध्यक्ष भानीराम सुथार, नगर अध्यक्ष जस्सी सिंह जटाणा, सुभाष खीचड़ सहित अन्य सदस्य मौजूद थे।

जिला अस्पताल के विस्तार की मांग, 200 से 300 बेड का प्रस्ताव

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। जिला अस्पताल बचाओ संघर्ष समिति द्वारा आज बुधवार को विधायक गणेशराज बंसल और भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष देवेन्द्र पारिक के माध्यम से मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा राजस्थान सरकार को 2024-25 के बजट में एमजीएम राजकीय जिला चिकित्सालय हनुमानगढ़ में 200 से 300 बेड का विस्तार करने का प्रस्ताव भेजा गया। समिति के सदस्यों सुशील जैन और बलकारण सिंह ढिल्लों ने कहा कि यह कदम जिले की चिकित्सा सुविधाओं को उन्नत करने के लिए आवश्यक है। एमजीएम जिला चिकित्सालय वर्तमान में 200 बेड की स्वीकृति के साथ संचालित है। वर्ष 2017-18 की बजट घोषणा के तहत, इसे 150 से 200 बेड तक बढ़ाया गया था। अब, बढ़ती जनसंख्या और बढ़ती चिकित्सा आवश्यकताओं को देखते हुए इसे 300 बेड का अस्पताल बनाने की आवश्यकता महसूस की जा रही है। अस्पताल में वर्तमान में कई महत्वपूर्ण इकाइयाँ संचालित हो रही हैं, जिनमें 100 बेड की क्रिटिकल केयर यूनिट निर्माणाधीन है। इसके अलावा, 2018-19 में निर्मित 100 बेड की मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य (एमसीएच) भवन भी सक्रिय है। वर्ष 2017-18 में चार नए वार्ड शुरू किए गए थे, जिनकी क्षमता 120 बेड है। वर्तमान में अस्पताल में ट्रॉमा सेंटर, बर्न यूनिट, आईसीयू, मानसिक रोग वार्ड, नवजात गहन देखभाल इकाई (एसएनसीयू) और अन्य इकाइयों में कुल 130 बेड संचालित हैं। समिति का कहना है कि 300 बेड का अस्पताल बनने से हनुमानगढ़ जिले में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार होगा और गंभीर मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएँ मिलेंगी। वर्तमान में, जिला अस्पताल में बड़ी संख्या में मरीजों की आमद होती है, जिसके चलते सुविधाएँ अपर्याप्त पड़ रही हैं। समिति ने मुख्यमंत्री और चिकित्सा विभाग से 2024-25 के बजट में इस प्रस्ताव को प्राथमिकता देने की अपील की है। समिति के अनुसार, अस्पताल का विस्तार जिले के लोगों की स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने और बढ़ते चिकित्सा दबाव को कम करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।वर्तमान में अस्पताल में 100 बेड का क्रिटिकल केयर यूनिट निर्माणाधीन है, जो अत्यधिक गंभीर मरीजों के इलाज के लिए महत्वपूर्ण होगी। इसके अतिरिक्त, 100 बेड की एमसीएच भवन और 120 बेड के नए वार्ड पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं।

जनमार्ग पढ़ें
ताजा खबरें
ज्यादा खबरें

फ्री रोटी सेवा संस्थान ने रात भंडारा लगाया

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढह। कस्बे में समाजसेवा की मिसाल कायम करते हुए श्री संत सज्जन चौरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित फ्री रोटी सेवा संस्थान ने मकर संक्रांति की रात को भंडारे का आयोजन किया। इस अवसर पर शहर के विभिन्न दानदाताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी सेवाएं प्रदान की। संस्था के सचिव विजेंद्र कुमार और प्रधान हरपाल सिंह ने बताया कि ट्रस्ट पिछले चार वर्षों से जरूरतमंदों को निशुल्क भोजन उपलब्ध कराने के पवित्र कार्य में संलग्न है। संस्था का मुख्य उद्देश्य अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले मरीजों और उनके परिजनों के लिए भोजन की सुविधा उपलब्ध कराना है। यह सेवा दोनों समय, यानी सुबह और शाम, नियमित रूप से दी जाती है। इस सेवा को जारी रखने में शहर के दानदाताओं और सामाजिक संगठनों का विशेष सहयोग है। मकर संक्रांति के इस विशेष अवसर पर कई दानदाताओं ने ट्रस्ट को सहयोग प्रदान किया। गौरव मित्तल और यमन मित्तल (सूरत वालो) ने तीन टिन तेल का दान किया। नोरंग शर्मा ने एक टिन तेल, जबकि संदीप कुमार और अरबाज खान ने एक तेल टिन भेंट किया। इसके अलावा सुनील शर्मा, टिकम चंद, महेंद्र जागिड़, नरेश सोनी, जितेंद्र भारवानी, दौलत सिंह खिच्ची, कौशल्या (दिल्ली) और राज कुमार धुड़िया जैसे अनेक दानदाताओं ने भी अपनी ओर से सहयोग दिया। ट्रस्ट के सदस्यों ने बताया कि इस कार्य को सुचारू रूप से चलाने के लिए शहर के दानदाताओं और सामाजिक संस्थाओं का सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है। सेवा की भावना और सामाजिक दायित्व के प्रति जागरूकता ही इस कार्य की मुख्य प्रेरणा है।इस मौके पर भंडारे के आयोजन के दौरान प्रधान हरपाल सिंह, उपप्रधान पवन गर्ग, सचिव विजेंद्र कुमार, रवि मित्तल, रमेश काठपाल, राजेश खरेरा, हेमंत जागिड़, नरेश सोनी, अशोक जागिड़, श्रवण सैनी और निरंजन गर्ग सहित कई अन्य सदस्य उपस्थित थे। इन सभी ने सेवा कार्य में सक्रिय भागीदारी निभाई। श्री संत सज्जन चौरिटेबल ट्रस्ट की यह पहल समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्गों के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण है। ट्रस्ट का उद्देश्य केवल भोजन उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि समाज में सेवा और भाईचारे का भाव जागृत करना भी है। ट्रस्ट ने भविष्य में भी इस सेवा कार्य को जारी रखने का संकल्प लिया है और समाज के अन्य सदस्यों से इस अभियान में जुड़ने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि समाजसेवा की इस यात्रा को आगे बढ़ाने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है।

संविदा कर्मचारियों के हित में भर्ती प्रक्रिया में संशोधन का विरोध

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। राजस्थान संयुक्त मोर्चा संघर्ष समिति ने संविदा कर्मचारियों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए बुधवार को मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन जिलाध्यक्ष बंसीलाल के नेतृत्व में दिया गया, जिसमें आगामी सीधी भर्ती प्रक्रिया जीएनएम, फार्मासिस्ट, एएनएम, लैब टेक्नीशियन, रेडियोग्राफर, ईसीजी टेक्नीशियन आदि पदों के लिए मेरिट और बोनस अंकों (10, 20, 30) के आधार पर कराने की मांग की गई।

ज्ञापन में समिति ने बताया कि राजस्थान में संविदा आधार पर कार्यरत हजारों कार्मिक वर्षों से अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इनमें से कई कर्मचारी उम्र के अंतिम पड़ाव पर पहुंच चुके हैं। ऐसे में भर्ती प्रक्रिया में बदलाव कर लिखित परीक्षा के माध्यम से भर्ती करना उनके साथ अन्याय होगा।

समिति ने इस मुद्दे को लेकर कुछ महत्वपूर्ण बिंदु रखे। उन्होंने कहा कि पूर्व में की गई भर्ती प्रक्रियाएं भी मेरिट और बोनस अंकों के आधार पर संपन्न हुई थीं। इसके विपरीत अब लिखित परीक्षा का प्रावधान करना संविदा कर्मचारियों के साथ भेदभाव है। कोविड स्वास्थ्य सहायकों को 15 बोनस अंक दिए गए, जबकि वर्षों से कार्यरत संविदा कर्मचारियों को केवल 10 अंक दिए गए। यह लंबे समय से सेवा दे रहे कर्मचारियों के प्रति असमानता को दर्शाता है। संघर्ष समिति ने यह भी कहा कि संविदा कर्मचारी अत्यंत अल्प वेतन पर सरकार के आदेशों का पालन करते हुए कठिन परिस्थितियों में काम कर रहे हैं। ऐसे में लिखित परीक्षा या इंटरव्यू का प्रावधान उनके लिए अनुचित होगा। समिति ने आग्रह किया कि सभी संविदा कर्मचारियों के भविष्य को सुरक्षित रखते हुए भर्ती प्रक्रिया को पूर्ववत मेरिट और बोनस अंकों के आधार पर ही संपन्न किया जाए।

संविदा कर्मचारियों के समर्थन में संघर्ष समिति ने सरकार से अपील की कि वे इस मामले पर पुनर्विचार करें और आगामी भर्ती प्रक्रिया को संशोधित किए बिना जारी करें। समिति ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों को अनदेखा किया गया, तो वे बड़े स्तर पर आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

इस मौके पर बंसीलाल वर्मा, शहनाज, उर्मिला, लालचंद सहारण, गुरप्रीत, राजेश, 108 से संदीप, अमृत, ब्रह्मदेव व अन्य सदस्य मौजूद थे।

गुरुग्राम में दुकानों का क्यूआर कोड बदलकर ठगी, दुकानदारों को लगाया हजारों का चूना

सोहना। सोहना में साइबर ठगों का एक गिरोह सक्रिय हो गया है, जो दुकानदारों के क्यूआर कोड पर फर्जी कोड चिपकाकर ठगी को अंजाम दे रहा है। अब तक कई दुकानदारों के साथ हजारों रुपए की धोखाधड़ी हो चुकी है। इस मामले में दो प्रमुख घटनाएं देवीलाल स्टेडियम के पास स्थित केक शॉप और दमदमा रोड पर स्थित केक पॉइंट पर सामने आई हैं। सीसीटीवी फुटेज में देखा गया है कि एक युवक दुकान में आता है और दुकानदार को बातों में उलझा कर मौका देखते ही काउंटर पर रखे असली क्यूआर कोड के ऊपर अपना फर्जी कोड चिपका देता है। इस धोखाधड़ी का पता तब चला जब ग्राहकों द्वारा किए गए भुगतान दुकानदारों के खाते में नहीं पहुंचे और सीधे ठगों के खाते में चले गए। पीड़ित दुकानदारों की मुसीबत यह है कि पुलिस उन्हें साइबर क्राइम का मामला बताकर गुरुग्राम भेज रही है, और गुरुग्राम से उन्हें वापस सोहना भेजा जा रहा है। एसीपी अभिलक्ष जोशी के अनुसार साइबर क्राइम के मामलों को साइबर सेल गुरुग्राम भेजा जाता है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। एसीपी ने बताया कि इस तरह की धोखाधड़ी से बचने के लिए दुकानदारों को अपने क्यूआर कोड की नियमित जांच करनी चाहिए और किसी अजनबी को काउंटर के पास न आने दें। साथ ही डिजिटल लेनदेन के बाद तुरंत पेमेंट की पुष्टि करें।

गिरदावरी कार्य बहिष्कार पर अडिग पटवार संघ, धरना प्रदर्शन जारी

जनमार्ग न्यूजे

हनुमानगढ़। राजस्थान पटवार संघ द्वारा गिरदावरी ऐप में आवश्यक संशोधन और अन्य मांगों को लेकर 1 जनवरी 2025 से शुरू किया गया गिरदावरी कार्य का बहिष्कार लगातार जारी है। संघ की 9 सूत्रीय मांगों को लेकर अब आंदोलन तेज हो गया है। 13 जनवरी 2025 से पटवारियों ने संपूर्ण कार्य बहिष्कार करते हुए तहसील और उपखंड मुख्यालयों पर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है।

जिलाध्यक्ष अमर दहिया और तहसील अध्यक्ष अनिल साहू के नेतृत्व में तीसरे दिन जिला कलेक्टर कार्यालय के समक्ष पटवारियों का धरना जारी रहा। आंदोलनकारियों ने साफ कहा कि जब तक उनकी मांगे नहीं मानी जातीं, तब तक यह आंदोलन जारी रहेगा।

धरने के दौरान पटवारियों ने घोषणा की कि 16 जनवरी 2025 से सभी पटवारी सामूहिक अवकाश पर जाएंगे और धरना प्रदर्शन करेंगे। इसके अलावा, 20 जनवरी 2025 को राज्यभर के सभी जिला मुख्यालयों पर पटवारियों द्वारा रैली और धरना प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें अब भी नहीं मानी गई, तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन और सरकार की होगी।

धरने के दौरान पटवारियों ने अपने सरकारी व्हाट्सएप ग्रुप्स से भी बाहर निकलने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि प्रशासन से संवाद तभी संभव है जब उनकी मांगों को गंभीरता से लिया जाए।

पटवारी संघ की प्रमुख मांगों में गिरदावरी ऐप में तकनीकी सुधार, कार्यभार में कमी, नियमित वेतन वृद्धि, भत्तों में बढ़ोतरी और अन्य सुविधाएं शामिल हैं। संघ का कहना है कि गिरदावरी कार्य में तकनीकी खामियों के कारण उन्हें अत्यधिक परेशानी का सामना करना पड़ता है, लेकिन सरकार इस पर ध्यान नहीं दे रही है।

संघ ने चेताया है कि यदि सरकार जल्द ही उनकी मांगों को लेकर सकारात्मक निर्णय नहीं लेती, तो यह आंदोलन राज्यव्यापी स्तर पर व्यापक रूप ले सकता है। आंदोलनकारियों ने प्रशासन और सरकार से अपील की है कि वे समय रहते उनकी मांगों पर विचार करें और इसे सुलझाएं, ताकि पटवारियों को मजबूर होकर कड़े कदम उठाने की आवश्यकता न पड़े।

पटवारियों के इस आंदोलन से प्रशासनिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं, खासकर राजस्व संबंधी कार्यों में बाधा उत्पन्न हो रही है। धरने में शामिल पटवारियों ने सरकार से अपील की कि वे उनकी जायज मांगों को तुरंत स्वीकार करें और समस्या का समाधान करें।

इस मौके पर भारती,निरमा, पुष्पा, अमनदीप, कांता जाखड़, महावीर झोरड़, सुखदीप, अमित गोयल, भूपसिंह व अन्य सदस्य मौजूद थे।

भाजपा नेता को थाने में पीटा, 3 दरोगा सस्पेंड

शर्ट उतारकर जख्म दिखाए; अखिलेश बोले- नाम मनोज पासी, क्या इसलिए पीटा

प्रयागराज। प्रयागराज में भाजपा नेता मनोज पासी को थाने में पीटने पर बड़ा एक्शन हुआ। पुलिस कमिश्नर ने 3 दरोगा और एक हेड कॉन्स्टेबल को सस्पेंड कर दिया। भाजपा नेता के भाई अपनी जमीन पर बाउंड्री वाल बना रहे थे। जमीन पर एक व्यक्ति ने अपना दावा ठोंक दिया और पुलिस में शिकायत कर दी। पुलिस ने काम रुकवा दिया।

बुधवार को भाजपा नेता थाने गए। पुलिसकर्मियों से काम शुरू करवाने को कहा। आरोप है कि इस पर पुलिसकर्मी भड़क गए। उन्हें इतना मारा कि बेहोश हो गए। पिटाई के बाद जब होश आया तो मनोज ने थाने के बाहर खड़े होकर शर्ट उतार दी। उन्होंने चोट दिखाई। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा- पुलिस ने क्या केवल इसलिए एक व्यक्ति को बुरी तरह पीटा क्योंकि उसका नाम 'मनोज पासी' है। यूपी में पीडीए समाज का व्यक्ति हमेशा ही भाजपा की प्रभुत्ववादी सोच का शिकार होगा, चाहे वह सत्तादारी दल के साथ हो, तब भी। मनोज की पत्नी सन्नो ने पुलिसकर्मियों के खिलाफ पुलिस कमिश्नर को प्रार्थना पत्र दिया। इसके बाद पुलिस ने केस दर्ज किया। डीसीपी सिटी अभिषेक भारती जांच करने को कहा है। देर रात उन्होंने पुलिस कमिश्नर को रिपोर्ट सौंपी।इसके बाद कमिश्नर ने दरोगा संतोष सिंह, जय नारायण और श्रीराम यादव और हेड कॉन्स्टेबल जे यादव को सस्पेंड कर दिया। मनोज भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश सह कोषाध्यक्ष हैं।

हरियाणा में आलसी अफसरों पर गाज गिरेगी

जबरन रिटायरमेंट की तैयारी; एसीआर में 7 बार गुड मिलने वाले ही बचेंगे, विभागों से मंगाया डाटा

जनमार्ग न्यूजे

चंडीगढ़। हरियाणा में आलसी और लापरवाह अधिकारियों और कर्मचारियों को लेकर सरकार सख्त हो गई है। सरकार ऐसे कर्मचारियों को जबरन रिटायरमेंट देने की तैयारी कर रही है। इसके लिए सरकार ने 25 साल नौकरी कर चुके 50-55 साल की उम्र के अधिकारियों और कर्मचारियों का डाटा मांगा है। साथ ही सरकार ने पिछले तीन सालों में समय से पहले रिटायर किए गए सभी कर्मचारियों का ब्योरा भी तलब किया है। इसको

लेकर मुख्य सचिव कार्यालय की ओर से सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्षों, हाईकोर्ट रजिस्ट्रार, मंडलायुक्तों और उपायुक्तों से रिकॉर्ड मांगा गया है। सीएम के आदेश में बताया गया है कि 1 जनवरी 2022 से 31 दिसंबर 2024 तक 50 से 55 साल की उम्र के कितने कर्मचारियों को समय से पहले रिटायरमेंट दिया गया है। मुख्य सचिव की ओर से भेजे गए आदेश में एक प्रोफार्मा दिया गया है। इसमें विभागाध्यक्षों, संभागीय आयुक्तों और उपायुक्तों को सेवानिवृत्त कर्मचारी का नाम और पदनाम बताना होगा, साथ ही यह भी बताना होगा कि उनके मामलों की समीक्षा किस तारीख को की गई। साथ ही यह भी बताना होगा कि किस तारीख को प्राधिकारी ने मामले में अंतिम निर्णय लिया। निर्णय में संबंधित कर्मचारी की सेवाएं जारी रखी गई या उसे समय से पहले सेवानिवृत्ति दे दी गई।

लखमा को हर महीने 2 करोड़ मिला कमीशन: ईडी के वकील बोले- 36 महीने में 72 करोड़ मिले

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा ईडी की रिमांड में हैं। बुधवार को वे रायपुर के ईडी दफ्तर पूछताछ के लिए पहुंचे थे। यहीं से उनकी गिरफ्तारी हुई। शराब घोटाला केस में छत्तीसगढ़ के पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा ईडी की रिमांड में हैं। बुधवार को वे रायपुर के ईडी दफ्तर पूछताछ के लिए पहुंचे थे। यहीं से उनकी गिरफ्तारी हुई। रिमांड मिलने के बाद अब ईडी के वकील ने दावा किया है कि, कवासी लखमा को हर महीने 2 करोड़ रुपए मिलते थे। इससे पहले अब तक हर महीने लखमा को 50 लाख मिलने की बात सामने आई थी। वकील सौरभ पांडेय ने कहा कि, 2 साल तक कार्रवाई चली जिसमें 36 महीने में प्रोसीड ऑफ क्राइम 72 करोड़ रुपए का है। ये राशि सुकमा में बेटे हरीश कवासी के घर के निर्माण और कांग्रेस भवन सुकमा के निर्माण में लगी है। ईडी के वकील सौरभ पांडेय के मुताबिक, गिरफ्तार त्रिपाठी और अरविंद सिंह ने पूछताछ में बताया था कि पूर्व मंत्री के पास हर महीने कमीशन पहुंचता था। अरविंद सिंह ने बताया था कि शराब कर्टल से हर महीने लखमा को 50 लाख रुपए दिए जाते थे। वहीं एपी त्रिपाठी ने कहा था कि 50 लाख रुपए के ऊपर भी 1.5 करोड़ रुपए और दिया जाता था। इस हिसाब से 2 करोड़ रुपए पूर्व आबकारी मंत्री को हर महीने कमीशन के मिलते थे। ईडी के वकील सौरभ पांडे ने दावा किया कि, लखमा को 2 करोड़ रुपए हर महीने कमीशन के मिलते थे। ये बात पूछताछ में पता चली है। आबकारी विभाग में काम करने वाले ऑफिसर इकबाल खान, जयंत देवांगन ने बताया कि वे पैसों का अरेंजमेंट कर उनको भेजते थे। कन्हैया लाल कुर्रे के जरिए पैसों के बैग कलेक्ट किए जाते थे। कवासी ने खुद अपने बयान में यह एडमिट किया है कि अरुण पति त्रिपाठी साइन करवाता था। ऐसे में उन्हें नॉलेज तो था कि कुछ चल रहा है। इनका भी इन्वॉलमेंट साफ दिखाई दे रहा है। इधर, लखमा के वकील फैजल रिजवी ने कहा कि ये गिरफ्तारी सबूत बनाने के बाद की गई है। अगर 2 करोड़ रुपए मिलने की बात वे कह रहे हैं तो बताएं कि लखमा के घर से क्या मिला। छापे में कहीं से 20 हजार रुपए भी नहीं मिले हैं। छत्तीसगढ़ शराब घोटाले की जांच कर रही ईडी ने एसीबी में एफआईआर दर्ज कराई है। दर्ज एफआईआर में दो हजार करोड़ रुपए से ज्यादा के घोटाले की बात कही गई है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

● कंस्ट्रक्शन सुपरवाइजर के तौर पर करता था काम ● देर रात काम से लौटते समय हादसा

जनमार्ग न्यूज

केसरीसिंहपुर। जिले के केसरीसिंहपुर की कमीनपुरा रोड पर बुधवार देर रात अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत हो गई। युवक गांव फूसेवाला में एक कॉलोनाइजर के यहां कंस्ट्रक्शन सुपरवाइजर के तौर पर काम करता था। बुधवार रात वह काम से लौट रहा था। इसी दौरान अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। पास से गुजर रही बस में सवार कुछ युवा उसे अस्पताल लेकर गए लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। शव सरकारी अस्पताल की मोर्चुरी में रखवाया गया। जहां पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

केसरीसिंहपुर में दुर्गा मंदिर के पास वार्ड नौ का रहने वाला योगेश कुमार उर्फ सन्नी शर्मा पुत्र कृष्ण शर्मा कस्बे से कुछ दूर गांव फूसेवाला में एक कॉलोनाइजर

की कंस्ट्रक्शन साइट पर सुपरवाइजर था। उसे पूरा दिन कंस्ट्रक्शन का काम देखना होता था। वह सुबह घर से रवाना होता और देर रात तक लौट आता था। बुधवार को वह सुबह काम पर गया। देर रात जब वह काम से बाइक पर घर लौट रहा था। इसी दौरान कमीनपुरा रोड पर राधास्वामी डेरे के पास अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। वह बाइक सहित सड़क पर गिर पड़ा। घटना के समय वहां कोई नहीं था। इसी दौरान श्रीकरणपुर से आई बस के चालक ने युवक को सड़क किनारे घायल पड़ा देख बस रोक दी। बस में सवार युवकों ने घायल सन्नी को देखा तो वे उसे पहचान गए। इन लोगों ने पास से गुजर रही एक जीप रुकवाई और युवक को केसरीसिंहपुर के सरकारी अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक योगेश उर्फ सन्नी शर्मा अविवाहित था। परिवार में उसकी मां और दो बड़े भाई हैं। युवक के पिता का काफी समय पहले निधन हो चुका है। ऐसे में युवक ने कॉलोनाइजर के यहां नौकरी शुरू कर दी। गुरुवार सुबह पुलिस युवक का पोस्टमार्टम करवाने में जुटी थी।

अनूपगढ़ में महिला सुरक्षा को झटका

● जिला रद्द होने के बाद महिला थाने के 30 पदों की मंजूरी भी रद्द

जनमार्ग न्यूज

अनूपगढ़। राजस्थान सरकार ने अनूपगढ़ से जिला दर्जा वापस लेने के बाद अब महिला पुलिस थाने के लिए स्वीकृत 30 पदों को भी रद्द कर दिया है। गृह विभाग ने 12 अगस्त 2024 को महिला थाने के लिए जो स्वीकृति दी थी, वित्त विभाग ने उसे नामंजूर कर दिया। इस थाने में एक सब इंस्पेक्टर, 4 एएसआई, 3 हेड कॉन्स्टेबल और 22 कॉन्स्टेबल के पद मंजूर किए गए थे। स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं का दावा था कि अनूपगढ़ को जिला स्तरीय सुविधाओं से वंचित नहीं किया जाएगा, लेकिन सरकार की इस कार्रवाई से स्पष्ट हो गया है कि अब इसे उपखंड का दर्जा ही मिलेगा। विरोधाभास यह है कि जिस भाजपा सरकार ने नए जिलों को महिला पुलिस थानों की सौगात दी थी, वहीं सरकार अब इसे वापस ले रही है।

महारानी लक्ष्मी बाई नारी उत्थान संस्था की अध्यक्ष शशि शर्मा के अनुसार, क्षेत्र में बढ़ते नशे के कारण महिलाएं खुद को असुरक्षित महसूस कर रही हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए महिला पुलिस थाने की आवश्यकता थी। इस निर्णय से महिला सुरक्षा को लेकर चिंताएं और बढ़ गई हैं। राज्य सरकार को महिलाओं के साथ होने वाले अत्याचारों को ध्यान में रखते हुए अनूपगढ़ में महिला पुलिस थाना दुबारा स्वीकृत कर उसे धरातल पर खुलने की स्वीकृति देनी चाहिए। अगर अनूपगढ़ थाना क्षेत्र में देखा जाए तो 40 प्रतिशत मामले महिला अत्याचारों से संबंधित होते हैं। अगर महिला पुलिस थाना खुलता तो महिलाओं को जल्द और निष्पक्ष न्याय मिल सकता था। भारत विकास परिषद के अध्यक्ष विपिन चुघ ने बताया कि महिला पुलिस थाना महिलाओं की सुरक्षा के दृष्टिकोण से तो आवश्यक ही है उसके अलावा अनूपगढ़ पुलिस थाने में प्रतिवर्ष करीब कुल 900 मुकदमे दर्ज होते हैं जिस कारण मामलों का निस्तारण जल्द नहीं हो पाता तथा पीड़ित को भी न्याय देरी से मिलता है। अगर महिला पुलिस थाना खुलता तो महिलाओं से संबंधित मामलों का अलग से निस्तारण होता तथा अनूपगढ़ पुलिस थाने में भी मामलों के निस्तारण में तेजी आती।

बीकानेर में गाड़ी से बांधकर सीसीटीवी उखाड़ा

● खींचकर ले गए बदमाश, सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

● 2 दिन पहले ही 14 लाख कैश डाला था

जनमार्ग न्यूज

बीकानेर। बीकानेर के बज्जू थाना क्षेत्र में आरडी 860 गांव में लगी एटीएम मशीन बुधवार की देर रात बदमाश गाड़ी से बांधकर ले गए। सुबह एटीएम का गेट टूटा हुआ देखा तो अंदर की ओर झांका। तब पता चला कि अंदर से एटीएम ही नहीं है। बैंक प्रबंधन को सूचना दी गई, जिसके बाद पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। एटीएम में शुक्रवार को ही 14 लाख रुपए डाले गए थे। इसमें कुछ राशि दो दिन में निकली है। बज्जू थाना क्षेत्र में स्थित गांव आरडी 860 मुख्य मार्ग के नजदीक ही है। यहां स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का एटीएम लगा हुआ है। बुधवार देर रात चोर आए और एटीएम को गाड़ी के पीछे बांध लिया। माना जा रहा है कि लोहे की मजबूत चेन से एटीएम को बांधकर गाड़ी को स्टार्ट किया। तेज रफ्तार से खींचने पर एटीएम टूटकर गाड़ी के पीछे लटक गया। जिसे खींचते हुए बदमाश ले गए। देर रात हुई इस वारदात का गांव में किसी को पता नहीं चला। मुख्य मार्ग पर भी कोई आवाजाही नहीं होने का फायदा चोरों ने उठाया। वारदात को अंजाम देने में चोरों ने कुछ ही मिनटों का समय लिया और घटनास्थल से फरार हो गए। घटना के बाद एटीएम में नकदी का आकलन किया जा रहा है।घटना की सूचना मिलते ही बज्जू पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस टीम ने घटनास्थल से अहम सबूत जुटाए हैं और अब क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाले जा रहे है। पुलिस का मानना है कि यह वारदात किसी संगठित गिरोह द्वारा की गई हो सकती है। थानाधिकारी आलोक ने बताया कि दो दिन पहले एटीएम में 14 लाख रुपए डाले गए थे। जिसके बाद कुछ रुपए निकल सकते हैं।

नगर परिषद कर्मचारियों पर भ्रष्टाचार का आरोप

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। श्रीगंगानगर में एक युवक द्वारा नगर परिषद के कर्मचारियों पर रिश्वत मांगने का गंभीर आरोप सामने आया है। हनुमानगढ़ निवासी विशाल कुमार ने जिला कलेक्टर को शिकायत पत्र सौंपकर न्याय की गुहार लगाई है। मामला पैतृक कृषि भूमि के वारिसान इंतकाल से जुड़ा है। विशाल के अनुसार, चक 3 ए छोटी तहसील में स्थित 0.633 हैक्टेयर भूमि उनके स्वर्गीय पिता अश्वनी कुमार शर्मा और दादी उर्मिला देवी के नाम पर है। उनके निधन के बाद भूमि के उत्तराधिकार हस्तांतरण के लिए विशाल ने 10 जनवरी 2025 को तहसील कार्यालय में आवेदन किया था। जब दस्तावेजों की जांच के लिए मामला नगर परिषद आयुक्त, हनुमानगढ़ जंक्शन के पास पहुंचा, तो विनोद कंडा और उनके सहायक सन्नी ने कथित तौर पर रिश्वत की मांग की। पीड़ित के रिश्वत देने से इनकार करने पर दोनों कर्मचारियों ने दस्तावेजों की जांच करने से मना कर दिया। इस घटना ने स्थानीय नागरिकों में भी रोष पैदा कर दिया है। लोगों ने भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। विशाल ने जिला प्रशासन से निष्पक्ष जांच और दोषी कर्मचारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। प्रशासनिक अधिकारियों की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

पति को बचाने गई गर्भवती महिला पर जानलेवा हमला

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। हनुमानगढ़ में लोहड़ी के पावन अवसर पर एक दर्दनाक घटना सामने आई है। सदर थाना क्षेत्र के गांव उत्तमसिंहवाला में पुरानी रंजिश के चलते कुछ लोगों ने एक युवक और उसकी गर्भवती पत्नी पर जानलेवा हमला कर दिया। घटना 13 जनवरी की रात करीब 9.30 बजे की है। प्रेमपाल नाम का युवक, जो गांव में ऑनलाइन कोचिंग और पुस्तकालय चलाता है, अपनी तीन माह की गर्भवती पत्नी किरणा के साथ रिश्तेदार के घर लोहड़ी मनाने गया था। आरोपी रमनदीप सिंह बराड़ और उसके साथियों ने एक बच्चे के जरिए प्रेमपाल को बाहर बुलवाया, जहां पहले से ही लाठी-हथियारों से लैस 8-9 लोग घात लगाए बैठे थे। आरोपियों ने प्रेमपाल पर पिस्तौल तानी और जाति सूचक गालियां दीं। रमनदीप ने उसे जमीन पर पटक दिया और सभी ने मिलकर लाठियों से हमला कर दिया। शोर सुनकर जब उसकी गर्भवती पत्नी बचाने आई, तो उस पर भी हमला कर दिया गया और पेट पर लात मारी गई। मौके पर भीड़ एकत्रित होते देखकर हमला करने वाले लोग फरार हो गए। जाते समय उसे धमकी देकर गए कि आज तो वह बच गया। आइंदा कभी भी उन्हें मिला तो गोली मारेंगे। इस हमले में गर्भवती महिला गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा।

रिटायर्ड फौजी ने खुद को मारी गोली

जनमार्ग न्यूज

कोटा। कोटा में रिटायर्ड फौजी ने पत्नी के सामने रिवॉल्वर से अपने सिर में गोली मारकर सुसाइड कर लिया। वह ड्राइंग रूम में अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर लेकर बैठे थे। गोली की आवाज सुनकर सामने रसोई में खाना बना रही पत्नी दौड़कर आई। पड़ोसियों के साथ घायल पति को निजी हॉस्पिटल लेकर गई, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मामला बुधवार शाम करीब 6 बजे उद्योग नगर के प्रेम नगर अफोर्डेबल इलाके का है। उद्योग नगर थाने के एएसआई सूरजमल ने बताया कि रिटायर्ड फौजी अरविंद सिंह जाट (45) के पास लाइसेंस की रिवॉल्वर थी। उसी से खुद को गोली मारी है। सुसाइड का कारण सामने नहीं आया है। हादसे के समय घर में पत्नी के अलावा बेटी भी थी।

तस्कर 4 किलो अवैध डोडा पोस्त के साथ गिरफ्तार

● रामसिंहपुर पुलिस की नशे के खिलाफ कार्रवाई

जनमार्ग न्यूज

रामसिंहपुर। रामसिंहपुर पुलिस ने नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक तस्कर को डोडा पोस्त के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस थाने की एसएचओ सुमन परिहार के नेतृत्व में टीम ने 61 जीबी मोड पर गश्त के दौरान एलएसएम बांडा कॉलोनी निवासी फतेह सिंह (28) को 4 किलो 120 ग्राम अवैध डोडा पोस्त के साथ पकड़ा। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। इस मामले की जांच की जिम्मेदारी श्री विजयनगर थाने के एसएचओ गोविंद सिंह राव को सौंपी गई है। यह कार्रवाई नशे के खिलाफ पुलिस की लगातार दूसरे दिन की गई कार्रवाई है। इस सफल अभियान में एसएचओ सुमन परिहार के साथ कांस्टेबल शैलेंद्र कुमार, राकेश कुमार, पूनम चंद और विजय सिंह की टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुलिस के अनुसार, क्षेत्र में नशीले पदार्थों की तस्करी पर लगाम लगाने के लिए विशेष अभियान जारी रहेगा।

मिर्जेवाला में युवा जागृति कार्यशाला का आयोजन

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। नशा मुक्त श्रीगंगानगर अभियान के तहत मिर्जेवाला के पीएम राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय एवं राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में युवा जागृति कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें 600 से अधिक युवाओं ने भाग लिया। कार्यशाला का उद्देश्य युवाओं को नशे की बुराइयों और इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और समाज में सकारात्मक बदलाव लाना था। कार्यशाला को संबोधित करते हुए विक्रम ज्याणी ने बताया कि यह पहल जिला प्रशासन और जिला पुलिस श्रीगंगानगर के संयुक्त प्रयासों का हिस्सा है। इस अभियान का नेतृत्व जिला कलक्टर डॉ. मंजू और जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा किया जा रहा है। कार्यशाला में युवाओं को प्रेरित करने और उनके अंदर आत्मविश्वास जगाने के लिए कई प्रेरणादायक गतिविधियों का आयोजन किया गया। विक्रम ज्याणी ने कहा कि हर युवा के भीतर समाज को बदलने की शक्ति है। नशा केवल शरीर को नहीं बल्कि सपनों और भविष्य को भी खत्म करता है। आज का युवा अगर इस जाल से बचा रहेगा, तो एक सशक्त और स्वस्थ समाज का निर्माण करेगा। कार्यशाला में नशे के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक प्रभावों पर गहन चर्चा की गई। प्रेरणा से भरी कहानियाँ साझा की और युवाओं को दृढ़ संकल्प की प्रेरणा दी। सभी उपस्थित युवाओं ने नशा मुक्त समाज बनाने की शपथ ली। अगर आज का युवा नशे से दूर रहेगा, तो कल का समाज मजबूत, स्वस्थ और खुशहाल होगा। कार्यशाला में भाग लेने वाले युवाओं ने इस आयोजन की सराहना करते हुए इसे जागरूकता बढ़ाने का एक सशक्त माध्यम बताया। कार्यशाला नशा मुक्त समाज के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई।

शनिवार को जवाहर नवोदय विद्यालय कक्षा 6 प्रवेश परीक्षा

जनमार्ग न्यूज

सूरतगढ़। जवाहर नवोदय विद्यालय की कक्षा 6 के सत्र 2025-26 में प्रवेश के लिए परीक्षा शनिवार को सूरतगढ़ में बड़ोपल रोड स्थित विद्यालय परिसर में आयोजित होगी। इस परीक्षा के लिए जिला मुख्यालय स्तर के अधिकारियों की ओर से तैयारियां मुकम्मल की जा रही है। कलेक्टर डॉ. मंजू चौधरी ने परीक्षा कार्य के लिए नियुक्त समस्त अधिकारियों कर्मचारियों को निर्देशित किया है की परीक्षा की गोपनीयता और संवेदनशीलता के मद्देनजर पूर्व अनुमति के बिना कोई भी अपना मुख्यालय नहीं छोड़ेंगे। साथ ही परीक्षा ड्यूटी संबंधी किसी भी प्रकार की लापरवाही और अनियमितता की स्थिति सामने आने पर संबंधित के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। सूरतगढ़ सहित जिले के 22 केंद्रों पर इस परीक्षा का आयोजन होगा जिसके प्रवेश पत्र डाउनलोड करने की प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय सूरतगढ़ के प्राचार्य रामावतार बुरड़क ने बताया कि केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड नई दिल्ली द्वारा 18 जनवरी 2025 को आयोजित होने वाली इस चयन प्रवेश परीक्षा कक्षा 6 के प्रवेश पत्र डाउनलोड करवाए जा रहे हैं।

बीकानेर में फिर बदले थानेदार, संभाग में 11 एसआई का तबादला

● कोटगेट एसएचओ का तबादला निरस्त

जनमार्ग न्यूज

बीकानेर। पुलिस विभाग में तबादलों के दौर के बाद थानों में बदलाव हो गए हैं। हालांकि कुछ तबादले निरस्त हुए लेकिन थाने में पोस्टिंग नहीं मिल पाई। बीकानेर के सबसे महत्वपूर्ण पुलिस थाने कोटगेट के प्रभारी मनोज शर्मा को पिछले दिनों अजमेर रेंज में भेज दिया गया था। अब उनका अजमेर तबादला निरस्त हो गया है लेकिन कोटगेट थाने के बजाय पीटीएस की जिम्मेदारी दी गई है। जिले के 12 पुलिस थानों में बदलाव हुआ है। जिसमें नए थाना प्रभारी लगाए गए हैं। इनमें सात इंस्पेक्टर और पांच एसआई हैं। पुलिस मुख्यालय और आईजी स्तर पर लिस्ट जारी होने के बाद दो-तीन दिनों से जिले के पुलिस थानों में नए एसएचओ लगाने की तैयारी थी, इस बीच एसपी कावेन्द्र सिंह सागर ने 9 इंस्पेक्टर और 22 सब इंस्पेक्टर की लिस्ट जारी कर 12 पुलिस थानों में नए एसएचओ लगा दिए। इनमें सात इंस्पेक्टर और पांच एसआई स्तर के हैं। शहरी क्षेत्र के सात और ग्रामीण इलाकों के 5 थानों में नए एसएचओ लगाए गए हैं। कोटगेट थाना एसएचओ मनोज शर्मा को बीकानेर में लंबा समय होने के कारण अजमेर रेंज स्थानान्तरित किया गया था। पुलिस मुख्यालय ने उनका तबादला बीकानेर पीटीएस में नॉनफिल्ड कर दिया गया है। इसी तरह कविता पूनिया का तबादला उदयपुर रेंज में किया गया था जिसे निरस्त कर दिया गया है। एसपी ने 110 हेड कांस्टेबल और 237 कांस्टेबल को भी इधर-उधर किया है। मंगलवार को 46 एएसआई की भी लिस्ट जारी की थी।

पुलिस निरीक्षक विश्वजीत सिंह को कोटगेट थाने का जिम्मा दिया गया है। इसके अलावा जितेंद्र कुमार को श्रीडूंगरगढ़, दिगपाल सिंह को सदर, सुरेंद्र कुमार को खाजूवाला, विकास बिश्नोई को नाल, महेश कुमार शीला को महिला थाना, रमेश कुमार सर्वआ को साइबर थाना व कविता पूनिया को संचित निरीक्षक रिजर्व पुलिस लाइन में लगाया गया है। वहीं सुभाष बिजारणियां को अपराध सहायक के रूप में पोस्टिंग दी गई है। पुलिस अधीक्षक ने एक आदेश जारी करके बीकानेर के गंगाशहर में परमेश्वर सुथार, जसवीर सिंह को कोतवाली, चंद्रजीत सिंह भाटी को गजनेर, राकेश स्वामी को रणजीतपुरा, अमित कुमार को नोखा थानाधिकारी लगाया है। इसके अलावा समरवीर सिंह को डीएसटी प्रभारी बनाया है। रामगोपाल को यातायात शाखा, जगदीश सिंह को अपराध शाखा रीडर, सुरेश कुमार खाजूवाला, संदीप कुमार व मोहनलाल श्रीडूंगरगढ़, राधेश्याम व सुरेश भादू को नोखा, बाबूलाल सदर, सुशीला कुमारी बीछवाल, सविता रानी महिला थाना, लाल बहादुर लूणकरनसर, शारदा जेएनवीसी, मोनिका गंगाशहर, विशु वर्मा साइबर थाना, बुधाराम विश्नोई नोखा से पुलिस लाइन स्थानांतरित हुए हैं। इंद्रलाल को श्रीडूंगरगढ़ से पुलिस लाइन लगाया गया है।

घने कोहरे में ट्रक-जीप की टक्कर, 2 की मौत, दो गंभीर घायल

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। हनुमानगढ़ के फेफाना थाना क्षेत्र में देर रात घने कोहरे के बीच एक भीषण सड़क हादसा हुआ। नोहर-भादरा मार्ग पर ट्रक और जीप की आमने-सामने की टक्कर में जसाना गांव के दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। फेफाना थाना प्रभारी विजेंद्र शर्मा ने बताया कि नोहर-भादरा मार्ग पर बुधवार रात करीब साढ़े 10 से 11 के बीच में ट्रक और जीप की आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे में जसाना गांव के जीप सवार मनोज (29) पुत्र भूराराम और सुरेंद्र (32) पुत्र जीराज भाट की मौके पर मौत हो गई। वहीं, शंकरलाल (पुत्र ओमप्रकाश जाट) और शंकरलाल (पुत्र राजाराम) घायल हो गए। हादसे के तुरंत बाद पुलिस और आपातकालीन सेवाओं की टीम मौके पर पहुंची। घायलों को पहले नोहर के सरकारी अस्पताल में प्राथमिक उपचार दिया गया, फिर गंभीर हालत के चलते सिरसा के उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर कर दिया गया। शवों को नोहर के सरकारी अस्पताल की मोर्चुरी में रखवाया गया है। पुलिस जांच में सामने आया कि दुर्घटना के समय घना कोहरा था, जिससे दृश्यता बेहद कम थी। मोठ (धान का बोर) से भरा ट्रक नोहर से भादरा की ओर जा रहा था, जबकि जीप विपरीत दिशा से आ रही थी। कम दृश्यता के कारण दोनों वाहन एक-दूसरे को समय रहते नहीं देख पाए और अचानक आमने-सामने आ जाने से टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि जीप का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद ट्रक ड्राइवर मौके से फरार हो गया।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी हरीसिंह मेहरा द्वारा राहुल ऑफसैट प्रिन्टर्स गुलजार भवन, 47 गणेश विहार द्वितीय, जस्सा सिंह मार्ग के पास श्रीगंगानगर 335001 से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक : हरीसिंह मेहरा, 94140-87692, फैक्स : 0154-2970692